Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 140
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
शनिवार,20 दिसम्बर 2025

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 विधानसभा सत्र के चलते चोक हुई राजधानी की
4 आंखें तरेरता बांग्लादेश
5 'खुदा हाफिज' फेम एक्ट्रेस शिवालिका ओबेरॉय ने किया प्रेग्नेंसी का ऐलान

जहरीले कफ सिरप कांड पर सीएम योगी का अखिलेश पर तंज

धूल चेहरे पर था आईना साफ करता रहा

■ 24 जनवरी को वंदे मातरम पर होगी चर्चा ■ जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, समाजवादी पार्टी की संलिप्तता और उजागर होगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर कटाक्ष करते हुए कहा, यही कसूर में बार-बार करता रहा, धूल चेहरे पर था आईना साफ करता रहा। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विभिन्न स्थानों पर जहरीली कफ सिरप बेचे जाने की शिकायतों के बाद कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में सिरप की तस्करी की भी सूचना मिली थी, जिसे बड़े पैमाने पर रोका गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कोडीन कफ सिरप मामले को लेकर समाजवादी पार्टी पर हमला बोला। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि एसटीएफ और उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों के समाजवादी पार्टी से संबंध हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, समाजवादी पार्टी की संलिप्तता और उजागर होगी। उन्होंने आगे कहा कि राज्य स्तरीय विशेष जांच दल (एसआईटी) इस मामले की जांच कर रहा है। उत्तर प्रदेश पुलिस और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) के अधिकारी इस एसआईटी का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि जांच से पता चलेगा कि इस पूरे घोटाले में किसने पैसा लिया और इससे जुड़े सभी पहलू सामने आएंगे। मुख्यमंत्री योगी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर कटाक्ष करते हुए कहा, यही कसूर में बार-बार करता रहा, धूल चेहरे पर था आईना साफ करता रहा। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विभिन्न स्थानों पर जहरीली कफ सिरप बेचे जाने की शिकायतों के बाद कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में सिरप की तस्करी की भी सूचना मिली थी, जिसे बड़े पैमाने पर रोका गया है। विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरूआत से पहले विधान भवन में प्रवेश के दौरान पत्रकारों से बातचीत में एक सवाल के जवाब में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी जांच जारी है और अभी तक जितने लोग पकड़े गए हैं, उनके तार समाजवादी पार्टी से जुड़े हैं। जांच होने दीजिए, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पहले से ही कुख्यात रही है और इस पूरे मामले में उसकी संलिप्तता सामने आएगी। योगी आदित्यनाथ ने कहा, इस मामले की जांच के लिए एक राज्य स्तरीय विशेष जांच टीम (एसआईटी) काम कर रही है, जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस और एफएसडीए (खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन) से जुड़े अधिकारी शामिल हैं। किन-किन लोगों तक इस अवैध कारोबार का पैसा पहुंचा है, यह सब जांच में सामने आएगा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयानों पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, उनके बारे में बस यही कहूंगा-यही कसूर मैं बार-बार करता रहा, धूल चेहरे पर थी और आईना साफ करता रहा। योगी आदित्यनाथ ने कहा, माफियाओं के साथ इनकी (अखिलेश यादव) भी तस्वीरें हैं। जांच होने दीजिए, दूध का दूध और पानी का पानी सामने होगा।

दिल्ली में जहरीला कोहरा

एक्यूआई का स्तर बहुत खराब, दृश्यता 50 मीटर से भी कम

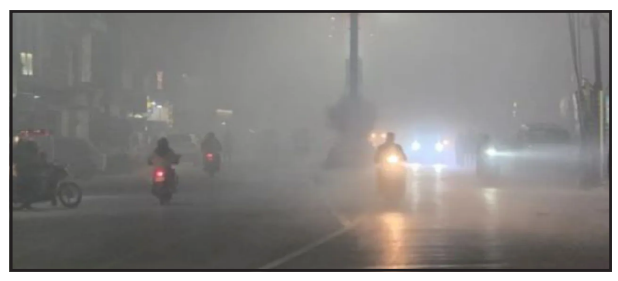

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का स्तर बहुत खराब होने के कारण दृश्यता 50 मीटर से भी कम रह गयी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार शहर भर के हवाईअड्डों पर बहुत घना कोहरा छा गया है, सफदरजंग में दृश्यता शून्य और पालम में 50 मीटर रह गयी है। आईएमडी ने आज सुबह 5.30 बजे अगले दो से तीन घंटों के लिए दिल्ली के सभी जिलों में बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना व्यक्त की है। गुरुवार को दोपहर तीन बजे से दृश्यता कम होने लगी जबकि दोपहर में तेज धूप में यह 800 मीटर थी, अगले 12 घंटों में यह धीरे-धीरे खराब होती गई और देर रात ढाई बजे बजे तक 50 मीटर तक पहुंच गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार सुबह 07.05 बजे दिल्ली का एक्यूआई गिरकर 387 हो गया। यह गुरुवार के 373 के औसत से और खराब है। सीपीसीबी के अनुसार एक्यूआई का स्तर 101-200 के बीच मध्यम और 301-400 के बीच बहुत खराब और 400 से ऊपर श्गंभीरश श्रेणी में आता हैय हालांकि, आपातकालीन जीआरएपी उपायों को लागू करने के लिए 450 के एक्यूआई मान को श्गंभीर प्लसश श्रेणी में रखा गया है। 400 से ऊपर एक्यूआई स्तर स्वस्थ लोगों को प्रभावित करते हैं और पहले से बीमार लोगों पर गंभीर असर डालता हैं। मौसम विशेषज्ञों ने कहा कि आज हवाओं में सुधार होने की संभावना है, लेकिन सप्ताहांत में एक नया कमजोर पश्चिमी विक्षोभ हवा की गुणवत्ता को फिर से खराब कर सकता है।

सार संक्षेप

इंडस्ट्रियल यूनिट में पानी का टैंक फटा, 3 लोगों की मौत, तीन घायल

नागपुर। नागपुर शहर के बाहरी इलाके में शुक्रवार को एक इंडस्ट्रियल यूनिट के अंदर पानी की टंकी गिरने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि घटना सुबह करीब साढ़े 9 बजे डप्क्ब बुटीबोरी क्षेत्र में स्थित एक सोलर पैनल निर्माण फैक्टरी में हुई। उन्होंने बताया कि अवाडा इलेक्ट्रो प्राइवेट लिमिटेड की एक फैक्टरी में बनी एक विशाल पानी की टंकी ढह गई, जिससे लोग उसके मलबे के नीचे दब गए। उन्होंने बताया कि इस हादसे में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।

टाटा पावर ने डिबेंचर जारी कर 2,000 करोड़ रुपए जुटाए

नई दिल्ली। टाटा पावर ने निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के माध्यम से 2,000 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। शेयर बाजार को दी गई सूचना में कंपनी ने बताया कि प्रस्तावित एनसीडी को बीएसई के थोक बॉन्ड बाजार खंड में सूचीबद्ध किया जाएगा। टाटा पावर के निदेशक मंडल की समिति ने दो अलग-अलग श्रृंखलाओं में एनसीडी जारी करने को मंजूरी दी है। दोनों श्रृंखलाओं में एक-एक लाख एनसीडी होंगे। पहली श्रृंखला की अवधि तीन साल और दूसरी की अवधि पांच साल होगी। इन दोनों से कुल 2,000 करोड़ रुपए जुटाए जाएंगे। ये एनसीडी चुनिंदा निवेशकों को निजी नियोजन आधार पर जारी किए जाएंगे।

बढ़त के साथ बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 447 अंक उछल कर 84,929 पर

मुंबई। वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच चार सत्र की गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को बढ़त दर्ज की गई। विदेशी निवेश में नए सिरे से वृद्धि से भी शेयर बाजारों में तेजी आई। सेंसेक्स 447 अंक की मजबूती के साथ 84,929 पर और एनएसई निफ्टी 150 अंकों की तेजी के साथ 25,966 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 570.71 अंक चढ़कर 85,052.52 अंक पर और निफ्टी 161 अंक की बढ़त के साथ 25,976.55 अंक पर पहुंच गया।

अमित शाह ने दिए निर्देश

जहाजों व बंदरगाहों की सुरक्षा के लिए होगा 'ब्यूरो ऑफ पोर्ट सिक्योरिटी' का गठन

नई दिल्ली। बैठक में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री और नागरिक उड्डयन मंत्री उपस्थित थे। गृह मंत्रालय (MHA) के बयान के अनुसार, नवगठित व्यापारिक जहाजरानी अधिनियम, 2025 की धारा 13 के प्रावधानों के तहत बोर्ड ऑफ पोर्ट्स (BoPS) को एक वैधानिक निकाय के रूप में गठित किया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जहाजों और बंदरगाह सुविधाओं की सुरक्षा के लिए एक समर्पित निकाय, ब्यूरो ऑफ पोर्ट सिक्योरिटी (बीओपीएस) के गठन हेतु एक बैठक बुलाई है। बैठक के दौरान, शाह ने देश भर में एक मजबूत बंदरगाह सुरक्षा ढांचा स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया और निर्देश दिया कि सुरक्षा उपायों को जोखिम-आधारित और चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाना चाहिए, जिसमें कमजोरियों, व्यापार क्षमता, स्थान और अन्य प्रासंगिक मापदंडों को ध्यान में रखा जाए। इस बैठक में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री और नागरिक उड्डयन मंत्री उपस्थित थे। गृह मंत्रालय (MHA) के बयान के अनुसार, नवगठित व्यापारिक जहाजरानी अधिनियम, 2025 की धारा 13 के प्रावधानों के तहत बोर्ड ऑफ पोर्ट्स (BoPS) को एक वैधानिक निकाय के रूप में गठित किया जाएगा। बयान में आगे कहा गया है कि महानिदेशक की अध्यक्षता वाला यह ब्यूरो बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्रालय (टङ्कढरह) के तत्वावधान में कार्य करेगा और जहाजों एवं बंदरगाह सुविधाओं की सुरक्षा से संबंधित नियामक एवं निगरानी कार्यों के लिए उत्तरदायी होगा। गृह मंत्रालय ने बताया इस ब्यूरो का गठन नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) की तर्ज पर किया जा रहा है। बीओएस का नेतृत्व एक आईपीएस अधिकारी (वेतन स्तर-15) करेंगे। एक वर्ष की संक्रमणकालीन अवधि के दौरान, महानिदेशक जहाजरानी (डीजीएस/डीजीएमए) बीओएस के महानिदेशक के रूप में कार्य करेंगे। इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि बंदरगाह सुरक्षा बल (बीओएस) सुरक्षा संबंधी सूचनाओं के समय पर विश्लेषण, संग्रह और आदान-प्रदान को सुनिश्चित करेगा, जिसमें साइबर सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, साथ ही बंदरगाह के आईटी बुनियादी ढांचे को डिजिटल खतरों से बचाने के लिए एक समर्पित विभाग भी शामिल होगा। बंदरगाह सुरक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए, मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को बंदरगाह सुविधाओं के लिए एक मान्यता प्राप्त सुरक्षा संगठन (आरएसओ) के रूप में नामित किया गया है, जो बंदरगाहों के लिए सुरक्षा आकलन करने और सुरक्षा योजनाएँ तैयार करने के लिए जिम्मेदार है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गोवा मुक्ति दिवस पर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को किया याद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को गोवा मुक्ति दिवस पर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को याद किया और इस दिवस को उन्होंने भारत की राष्ट्रीय यात्रा का एक निर्णायक अध्याय बताया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, गोवा मुक्ति दिवस हमें हमारी राष्ट्रीय यात्रा के एक निर्णायक अध्याय की याद दिलाता है। हम उन लोगों के अदम्य साहस को याद करते हैं जिन्होंने अन्याय के आगे झुकने से इनकार कर दिया और साहस व दृढ़ विश्वास के साथ स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया।उन्होंने कहा, गोवा के सर्वांगीण विकास की दिशा में काम करते हुए उनके बलिदान हमें लगातार प्रेरित करते रहते हैं। यह दिवस हर साल 19 दिसंबर को मनाया जाता है, जो 1961 में पुर्तगाली शासन से गोवा को मुक्त कराने के लिए सशस्त्र बलों के ऑपरेशन विजय की सफलता का स्मरणोत्सव है।

कैश फॉर क्वेरी मामले में महुआ मोइत्रा को मिली बड़ी राहत

दिल्ली हाईकोर्ट ने लोकपाल के आदेश को किया रद्द

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कैश फॉर क्वेरी मामले में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को राहत दे दी है। हाईकोर्ट ने इस मामले में लोकपाल के आदेश को रद्द कर दिया है। टीएमसी सांसद ने लोकपाल के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा का कहना है कि लोकपाल ने उनकी ओर से रखे गए तर्कों पर विचार किए बिना आदेश पारित किया है। मोइत्रा ने यह भी आरोप लगाया था कि सीबीआई को चार्जशीट दाखिल करने की मंजूरी देने का आदेश गलत है और लोकपाल अधिनियम के प्रावधानों के विपरीत है। साथ ही यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का घोर उल्लंघन है।सीबीआई ने मोइत्रा पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। जांच एजेंसी ने 28 जुलाई को अपनी जांच रिपोर्ट लोकपाल को सौंप दी थी। लोकपाल की सिफारिश पर सीबीआई ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत पिछले साल 21 मार्च को महुआ और हीरानंदानी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। पिछली लोकसभा में मोइत्रा को दिसंबर 2023 में श्अनैतिक आचरणश के लिए सदन से निष्कासित कर दिया गया था। उनका कहना था कि यह साजिश के तहत किया गया और बिना सफाई का मौका दिए उन्हें सदन से निष्कासित किया गया और इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई ने जांच में पाए गए तथ्यों को लोकपाल के सामने रखा है, जो अब मामले में अगला कदम सुनिश्चित करेगा। इस मामले ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा तब चर्चा में आ गई थीं, जब बीजू जनता दल (बीजेडी) के पूर्व सांसद तथा सीनियर वकील पिनाकी मिश्रा के साथ शादी को लेकर उन्होंने 5 जून को एक पोस्ट सोशल मीडिया पर किया था।

जी राम जी बिल को लेकर सदर में जोरदार हंगामा

राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली। लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इस सत्र में सदन की कार्य उत्पादकता 111 प्रतिशत रही और आठ सरकारी विधेयकों को पारित किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि इस सत्र में 15 बैठकें हुईं। उन्होंने अपने संक्षिप्त उल्लेख में कहा, आप सभी के सहयोग से इस सत्र में सभा की कार्य उत्पादकता लगभग 111 प्रतिशत रही ।इस दौरान सदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उपस्थित थे। अठारहवीं लोकसभा के छठे सत्र में सदन ने आठ सरकारी विधेयकों को मंजूरी दी। इनमें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह लेने के लिए लाया गया विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025 शामिल है जिसे लेकर विपक्ष ने भारी विरोध दर्ज कराया। सदन ने भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025, सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानूनों में संशोधन) विधेयक, 2025 और वर्ष 2025-26 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगें-प्रथम बैच और संबंधित विनियोग (संख्याक 4) विधेयक, 2025 को भी पारित किया। देश में अप्रचलित एवं पुराने हो चुके 71 कानूनों को निरस्त और संशोधित करने के प्रस्ताव वाले निरसन और संशोधन विधेयक, 2025 को भी निम्न सदन की स्वीकृति प्राप्त हुई। इनके अतिरिक्त लोकसभा ने मणिपुर माल और सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025, केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 और पान मसाला पर उपकर लगाने के प्रावधान वाले स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025 को भी ध्वनिमत से पारित कर दिया। सदन में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने और चुनाव सुधारों के मुद्दे पर चर्चा भी हुई। इससे पहले विपक्ष ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विषय पर संसद में चर्चा कराने की मांग की थी।

देश में दुर्लभ खनिजों के भंडार को विकसित करने की जरूरत जिंदल

मुंबई। जेएसडब्ल्यू समूह के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने खनिजों के घरेलू अन्वेषण पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का शुक्रवार को आह्वान किया।

अमेरिका के पैक्स सिलिका पहल से भारत को बाहर रखने के कुछ दिन बाद जिंदल ने यह टिप्पणी की है। अमेरिका की इस रणनीतिक का उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों व ऊर्जा से लेकर उन्नत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम मेधा (एआई) अवसंरचना और साजोसामान तक एक सुरक्षित, समृद्ध एवं नवाचार-आधारित सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला तैयार करना है। इस्पात व इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र से जुड़े 23 अरब अमेरिकी डॉलर के समूह का नेतृत्व करने वाले जिंदल ने कहा कि भारत में दुर्लभ खनिजों का पर्याप्त भंडार है। उन्होंने कहा, हमारे देश में दुर्लभ खनिजों की प्रचुरता है। हमने इस पर गंभीरता से काम नहीं किया है। इसलिए, हमने अपने देश में दुर्लभ खनिजों के भंडार का पूरी तरह से दोहन नहीं किया है। जिंदल ने कहा, हालांकि अब चीन से मिले झटके के बाद, मुझे लगता है कि देश हमारे दुर्लभ खनिजों के विकास को सुनिश्चित करने के लिए पूरी ईमानदारी से काम कर रहा है।

जी राम जी विधेयक को लेकर राहुल गांधी बोले

बिल वापस कराने के लिए बनाया जाएगा राष्ट्रव्यापी मोर्चा

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर विकसित भारत-जी राम जी विधेयक संसद द्वारा पारित किए जाने के बाद शुक्रवार को कहा कि यह प्रस्तावित कानून प्रदेश एवं गांवों के खिलाफ है तथा इसे वापस लेने के लिए सरकार को विवश करने के मकसद से एक राष्ट्रव्यापी मोर्चा बनाया जाएगा। संसद ने बृहस्पतिवार को विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025 को मंजूरी दी। पहले दिन में यह विधेयक लोकसभा और देर रात राज्यसभा से पारित किया गया। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, कल रात मोदी सरकार ने एक ही दिन में मनरेगा के बीस वर्षों को ध्वस्त कर दिया। जी राम जी विधेयक, मनरेगा का कोई पुनर्गठन नहीं है। यह अधिकार-आधारित, मांग-आधारित गारंटी को खत्म कर इसे एक सीमित योजना में बदल देता है, जिसे दिल्ली से नियंत्रित किया जाएगा।उन्होंने आरोप लगाया कि इस विधेयक की संरचना ही राज्यविरोधी और गांवविरोधी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, मनरेगा ने ग्रामीण मजदूर को मोलभाव की ताकत दी। वास्तविक विकल्प मिलने से शोषण और मजबूरी में पलायन घटा, मजदूरी बढ़ी, काम की परिस्थितियां बेहतर हुईं और साथ ही ग्रामीण ढांचे का निर्माण व पुनर्जीवन हुआ। यही वह ताकत है जिसे यह सरकार तोड़ना चाहती है। उनके मुताबिक, काम की सीमा तय करके और काम से वंचित करने के और रास्ते बनाकर, जी राम जी विधेयक उस एकमात्र माध्यम को कमजोर करता है जो ग्रामीण गरीबों के पास था। राहुल गांधी ने कहा, हमने कोविड-19 महामारी के दौरान देखा कि मनरेगा का क्या मतलब था। जब अर्थव्यवस्था बंद हो गई और आजीविकाएं खत्म हो गईं, तब इसने करोड़ों लोगों को भूख और कर्ज में डूबने से बचाया। इससे सबसे ज्यादा लाभ महिलाओं को हुआ, जिन्होंने साल दर साल कुल व्यक्ति-दिवसों का आधे से अधिक योगदान दिया है।उन्होंने कहा कि जब किसी रोजगार कार्यक्रम को सीमित किया जाता है, तो सबसे पहले महिलाएं, दलित, आदिवासी, भूमिहीन मजदूर और सबसे गरीब अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय के लोग बाहर धकेले जाते हैं। राहुल गांधी ने कहा, ऊपर से, इस कानून को संसद में बिना उचित जांच-पड़ताल के जबरन पारित कराया गया।

63 के लाइसेंस निलंबित, खंगाले जा रहे अन्य शस्त्र लाइसेंसधारकों के इतिहास

आजमगढ़। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर प्रशासन ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। चुनाव को भयमुक्त और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए अपराधी और शस्त्र लाइसेंसधारकों के सत्यापन किए जा रहे हैं। आजमगढ़ जिले में प्रस्तावित त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को भयमुक्त और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके तहत अपराधी सत्यापन से लेकर शस्त्र लाइसेंसधारकों के सत्यापन तक की कार्रवाई तेज कर दी गई है। जिले की 1810 ग्राम पंचायतों में निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के

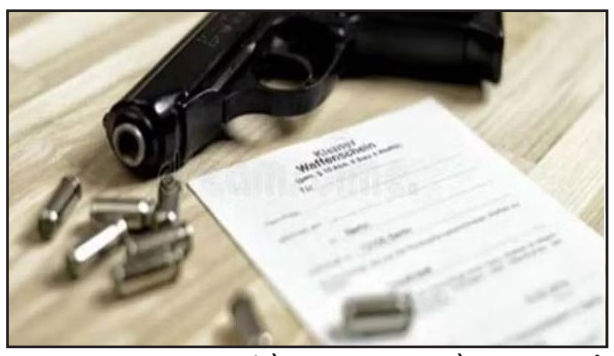

लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। पुलिस के अनुसार, जिले में करीब 24 हजार से अधिक शस्त्र लाइसेंसधारक हैं, जिनका पिछले पांच वर्षों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। अब तक 63 से अधिक ऐसे लोगों के शस्त्र लाइसेंस निलंबित किए जा चुके हैं, जिनके विरुद्ध बीते पांच वर्षों में विभिन्न आपराधिक मामले दर्ज हैं। बिजली चोरी, पारिवारिक विवाद और सड़क दुर्घटनाओं जैसे मामलों को छोड़ कर शेष अपराधों को श्रेणीवार सूचीबद्ध किया जा रहा है। वहीं हिस्ट्रीशीटर और संगीन अपराधों में शामिल व्यक्तियों को अलग श्रेणी में रखते हुए उनके खिलाफ चुनाव से पहले सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। संवेदनशील गांवों की पहचान पंचायत चुनाव को देखते हुए पुलिस ने जिले के संवेदनशील और अति संवेदनशील गांवों की पहचान भी शुरू कर दी है। अब तक प्रधानी चुनाव के दौरान जिन गांवों में मारपीट की घटनाएं हुई थीं। उन गांवों को संवेदनशील और अतिसंवेदनशील के रूप में चिह्नित किया जा रहा है। इसके अलावा जातीय सियासत और सामाजिक तनाव की आशंका को देखते हुए गांवों की संवेदनशीलता तैयार की जा रही है। घर-घर पहुंच रही पुलिस टीमें शस्त्र लाइसेंस सत्यापन के तहत पुलिस टीमें लाइसेंसधारकों के घर-घर जाकर जांच कर रही हैं। इस दौरान शस्त्र के साथ लाइसेंसधारक की फोटो भी ली जा रही है, ताकि रिकॉर्ड को अद्यतन किया जा सके और किसी भी तरह की अनियमितता पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। असामाजिक तत्वों, आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अब अपराधिक मामले दर्ज मिलने पर 63 शस्त्र धारियों के लाइसेंस निलंबित किए जा चुके हैं। अभी सत्यापन चल रहा है और कई लाइसेंस निलंबित हो सकते हैं। - डॉ. अनिल कुमार, एसपी।

वातानुकूलित तृतीय इकोनामी श्रेणी के 12 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 05105/05106 आजमगढ़-अजमेर-आजमगढ़ विशेष गाड़ी का संचलन आजमगढ़ से 24 दिसम्बर, 2025 को तथा अजमेर से 26 दिसम्बर, 2025 को 01 फेरे के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05105 आजमगढ़-अजमेर विशेष गाड़ी 24 दिसम्बर, 2025 को आजमगढ़ से 17.30 बजे प्रस्थान कर मुहम्मदाबाद से 18.00 बजे, मऊ से 18.35 बजे, भटनी से 21.00 बजे, देवरिया सदर से 21.30 बजे, गोरखपुर से 22.55 बजे, खलीलाबाद से 23.35 बजे, दूसरे दिन बस्ती से 00.05 बजे, गोंडा से 01.45 बजे, बुढ़वल से 03.30 बजे, सीतापुर जं. से 05.37 बजे, शाहजहांपुर से 07.00 बजे, बरेली से 07.57 बजे, मुरादाबाद से 09.20 बजे, गाजियाबाद से 11.55 बजे, दिल्ली से 13.25 बजे, दिल्ली कैंट से 14.02 बजे, गुड़गांव से 14.17 बजे, रेवाड़ी से 15.20 बजे, रींगस से 17.35 बजे, फुलेरा से 19.12 बजे तथा किशनगढ़ से 19.54 बजे छूटकर अजमेर 21.05 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 05106 अजमेर-आजमगढ़ विशेष गाड़ी 26 दिसम्बर, 2025 को अजमेर से 21.00 बजे प्रस्थान कर किशनगढ़ से 21.41 बजे, फुलेरा से 22.27 बजे, रींगस से 23.34 बजे, दूसरे दिन रेवाड़ी से 02.50 बजे, गुड़गांव से 03.27 बजे, दिल्ली कैंट से 03.40 बजे, दिल्ली से 04.55 बजे, गाजियाबाद से 05.50 बजे, मुरादाबाद से 08.25 बजे, बरेली से 09.52 बजे, शाहजहांपुर से 11.07 बजे, सीतापुर जं. से 13.10 बजे, बुढ़वल से 15.30 बजे, गोंडा से 16.45 बजे, बस्ती से 18.20 बजे, खलीलाबाद से 18.45 बजे, गोरखपुर से 19.30 बजे, देवरिया सदर से 20.30 बजे, भटनी से 21.05 बजे, मऊ से 22.05 बजे तथा मुहम्मदाबाद से 22.30 बजे छूटकर आजमगढ़ 23.15 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जेनरेटर सह लगेजयान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. का 01 तथा शयनयान श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय इकोनामी श्रेणी के 12 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने तथा मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने तथा मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में, 18 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल एवं राजकीय रेलवे पुलिस कासगंज द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना पर कासगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या-4/5 से एक जहरखुरान को नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया गया। 18 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल, भटनी को प्लेटफार्म संख्या-02 पर 13 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली। पूछताछ के उपरान्त लड़की को चाइल्ड लाइन देवरिया सदर को सुपुर्द किया गया। 18 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल, छपरा को गाड़ी संख्या-15084 में महिला यात्री का छूटा बैग मिला, जिसे छपरा पोस्ट पर जमा किया गया। महिला यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर बैग को सुपुर्द किया गया। 18 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल, गाजीपुर सिटी को गाड़ी संख्या-15054 में यात्री का छूटा बैग मिलने पर गाजीपुर सिटी पोस्ट पर रखा गया, जिसे यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर सुपुर्द किया गया। 18 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल, सीतापुर को गाड़ी संख्या-15274 में यात्री का छूटा सामान मिला, जिसे यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर सुपुर्द किया गया। 18 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल, गोरखपुर को गाड़ी संख्या-26501 में यात्री का छूटा बैग मिला, जिसे 18 दिसम्बर, 2025 को यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर सुपुर्द किया गया।

एससी/एसटी एक्ट के दो दोषियों को सजा

बस्ती। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत पैरवी सेल और हरैर्या पुलिस की प्रभावी पैरवी से एससी/एसटी एक्ट के दो दोषियों को कोर्ट ने तीन-तीन साल की साधारण कारावास की सजा सुनाई है। दोनों पर 12 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है। पुलिस की विज्ञप्ति के अनुसार, हरैर्या थाने में 16 जुलाई 2004 को सिटकहिहया गांव के रहने वाले रामशंकर, गंगाराम और रामबचन पर एससी/एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराया था। इस मामले की सुनवाई जनपद न्यायालय में चल रहा था। कोर्ट ने रामशंकर और गंगाराम को उपरोक्त सजा सुनाई है, जबकि रामबचन की मौत हो चुकी है।

दो करोड़ से आईसीडीएस की सुधरेगी व्यवस्था ढुलाई का पैसा जारी

बस्ती। आईसीडीएस विभाग में लंबित कार्यों और अन्य व्यवस्था सुधार के लिए शासन स्तर से कई मदों में दो करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। जिसके तहत कार्य कराया जा रहा है। वहीं, अब पोषाहार वितरण के लिए बजट जारी किया गया है। आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषाहार सप्लाई करने वाली समूह की महिलाओं को प्रति माह ढुलाई का पैसा अलग से जारी किया जाता है। आईसीडीएस विभाग ने तीन माह के लिए पांच लाख 29 हजार रुपये का बजट जारी किया है। यह धनराशि समूह की महिलाओं के खाते में भेजी जाएगी। डीपीओ राजेश कुमार का कहना है कि चालू सत्र के लिए दो करोड़ रुपये का बजट अलॉट किया गया है। ढुलाई मद का पैसा समूह को भेज दिया गया है।

ऑटो से गिरी मासूम को बचाने के लिए कूदी मां पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने रौंदा

आजमगढ़। आजमगढ़ दिले में चलती ऑटो से गिरी बेटी को बचाने के लिए उसकी मां भी सड़क पर कूद गई। इस दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने दोनों को रौंद दिया, जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार को हुए हृदयविदारक सड़क हादसे में मां और उसकी ढाई वर्षीय बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना पवई थाना क्षेत्र के मुत्तकल्लीपुर गांव के पास माइल स्टोन 187 के पास हुई। चलती ऑटो

का बेट खुलने से गिरी बेटी को बचाने के चक्कर में मां कूद गई। पीछे से आ रहा तेज रफ्तार ट्रक रौंदते हुए आगे निकल गया। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिव मां बेटी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से मृतका के मायके और ससुराल दोनों जगह मातम पसरा हुआ है। कैसे हुआ हादसा जानकारी मुताबिक पवई थाना क्षेत्र के अहिलासपुर गांव निवासी सोनी (28) पत्नी साजन अपनी ढाई वर्षीय बेटी सोनाक्षी के साथ मायके रुदौली माफी थाना मालीपुर, जनपद अंबेडकर नगर गई थी। मां के त्रयोदशी संस्कार के बाद परिवार के साथ स्नान व पूजा-पाठ के लिए दुवार्सा ऋषि दर्शन के लिए ऑटो से जा रही थी। अचानक ऑटो से गिर गई मासूम जैसे ही ऑटो पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर मुत्तकल्लीपुर गांव के पास पहुंचा, अचानक चलती ऑटो का गेट खुल गया। इससे सोनाक्षी सड़क पर गिर पड़ी। बेटी को गिरता देख उसे बचाने के प्रयास में मां सोनी का भी संतुलन बिगड़ गया और वह बेटी को बचाने के लिए सड़क पर कूद गई। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने मां-बेटी दोनों को कुचल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में मचा कोहराम हादसे के बाद ऑटो में सवार परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिजन आनन-फानन शवों को ऑटो में रखकर वापस रुदौली माफी चले गए। सूचना मिलने पर मालीपुर पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मायके और ससुराल पक्ष में मातम छा गया। मृतका का पति साजन मुंबई में ड्राइविंग का काम करता है। फोन पर बातचीत में उसने बताया कि सुबह करीब नौ बजे पत्नी से बात हुई थी और 10 बजे दुर्घटना की सूचना मिली। सूचना मिलते ही वह मुंबई से घर के लिए रवाना हो गया है।

बेटियों ने दिया पिता के शव को कंधा नहीं मिले मां के शव के टुकड़े

जौनपुर। जौनपुर जिले में बेटे द्वारा मां-बाप की हत्या कर शव के टुकड़े कर नदी में फेंके जाने के बाद पुलिस ने पिता के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम कराया। बेटियों ने पिता के शव को कंधा दिया और मुखाग्नि भी दी। सेवानिवृत्त लोको पायलट श्याम बहादुर (62) और उनकी पत्नी बबिता (60) का शव तीन-तीन टुकड़े में काटकर नदी में फेंके जाने की घटना ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। वहीं पुलिस ने बरामद शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद श्याम बहादुर के शव को उनकी बेटियों को सौंप दिया। तीनों बेटियों ने बृहस्पतिवार को पिता के शव को कंधा दिया और रात में करीब आठ बजे रामघाट पर मुखाग्नि भी दी। इस दौरान मृतक श्याम बहादुर के भाई भी मौके पर नहीं पहुंचे। वहीं, माता के शव के हिस्से अभी तक नहीं मिले हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। थानाध्यक्ष जफराबाद श्रीप्रकाश शुक्ला के मुताबिक, पोस्टमार्टम के

बाद पिता श्याम बहादुर के शव को उनकी बेटियों बंदना, अपर्णा और अर्चना को सौंप दिया गया था। बेटियों का आरोप था कि उन्होंने चाचा को फोन किया था लेकिन वह नहीं आए तो उन्होंने अंतिम संस्कार कर दिया। अंतिम संस्कार के बाद बेटियां थाने आईं और फिर इसके बाद खरगसेनपुर गईं। जहां उनका पैतृक गांव था। यहां मकान में ताला लटका हुआ था। बेटियां पिता के कर्म-क्रिया करने की बात कह रही थीं। भाई अम्बेश कुमार को कोस रही थीं। श्याम बहादुर के छोटे भाई संदीप कुमार ने बताया कि वह अपने भाई के अंतिम संस्कार के बाद के सभी क्रिया कर्म पैतृक आवास से करेंगे। मकान की चाभी श्याम बहादुर के पास ही रहती थी। किसी के आने पर चाभी उन्हीं से लेकर तब मकान में आते थे लेकिन, श्यामबहादुर की मौत के बाद आरोपी बेटा अम्बेश मकान में आया था, जिसके कारण उनका परिवार पुलिस के मौजूदगी में ताला खोलना चाहता है।

सराफा कारोबारी ने बच्चों की हत्या कर दी जान मौके से मिला सुसाइड नोट

कानपुर। सराफा कारोबारी ने बच्चों की हत्या कर खुद मौत को गले लगा लिया। घटना अरौल स्थित हाशिमपुर क्षेत्र में हुई। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट मिला। अरौल के हाशिमपुर क्षेत्र में सराफा कारोबारी अजय कटियार ने बेटे की हत्या कर अपनी जान दे दी। दूसरे बेटे की हालत गंभीर है। मौके से सुसाइड नोट बरामद हुआ है। पुलिस ने परिजनों की मदद से अंदर से बंद दरवाजा खुलवाया। अरौल पुलिस को सूचना मिली कि ओम ज्वैलर्स के मालिक अजय कटियार (35) दो बच्चे रुद्र (12) और शुभम (7) के साथ कमरे में बंद हैं। कमरा नहीं खुल रहा है। पुलिस ने परिजनों के सहयोग से दरवाजा खुलवाया। अंदर अजय कटियार जमीन पर पड़े हुए थे। उनके गले मे साड़ी का फंदा भी था, लेकिन वह टूटा हुआ मिला। शुभ और रुद्र भी गंभीर रूप से घायल मिले। पुलिस ने पिता पुत्रों को सीएचसी बिल्हौर भेजा, जहां एक बेटे और पिता को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी मौके पर पहुंचे और जांच कराई। पिता को लिखा सुसाइड नोट सराफा कारोबारी ने पिता के नाम से सुसाइड नोट लिखा है। इसमें लिखा है कि उतने ही बच्चा पैदा करना चाहिए जीतने की परवरिश हो सके मैं अपने बच्चों को किसके सहारे छोड़ कर जाऊं इनको भी ले जा रहा हूं।

संदिग्ध परिस्थितियों में फैक्टरी में काम करने वाली युवती ने फंदा लगाकर दी जान

कानपुर। सचेंडी में गुरुवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में फैक्ट्री में काम करने वाली युवती ने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। छोटे भाई ने बहन का शव फंदे से लटका देखा तो चीखपुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव

पोस्टमार्टम भेज दिया। मूलरूप से कानपुर देहात के थाना शिवली के ग्राम भेवना निवासी रामबाबू गौतम का एक मकान सचेंडी में है। उनकी बेटी स्वाति (23) एक बिस्किट फैक्टरी काम करती थी। बाबा रघुनाथ ने बताया कि गुरुवार को वह फैक्टरी नहीं गई थी। वहीं अन्य परिजन अपने-अपने काम में व्यस्त थे। इसी दौरान रात करीब 8:45 बजे स्वाती ने साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। स्वाति तीन बहनों रोशनी, कोमल में तीसरे नंबर की थी।

टेंपो की सर्विस कर नीचे से निकल रहे मैकेनिक को लोडर ने रौंदा मौत

कानपुर। नौबस्ता थानाक्षेत्र में बाईपास पर स्थित दुकान के बाहर टेंपो की नीचे घुसकर सर्विस कर बाहर निकलते समय दूसरे लोडर ने मैकेनिक को रौंद दिया। हादसा देख वहां पर अफरातफरी मच गई। इस दौरान दुकान में काम कर रहे कर्मचारी गंभीर हालत में उसे लेकर नजदीकी अस्पताल पहुंचे। वहां डॉक्टर ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। जूही परमपुरवा के रहने वाले रामचंद्र के बेटे कौशिक राजपूत (35) नौबस्ता बाईपास में एक टेंपो, ऑटो के सर्विस सेंटर पर काम करता था। बड़े भाई विवेक ने बताया कि गुरुवार दोपहर कौशिक दुकान के बाहर टेंपो के नीचे घुसकर सर्विस कर रहा था। सर्विस खत्म करके वह टेंपो के नीचे से निकल रहा था इसी दौरान बगल से निकल रहे लोडर ने उसे पेट के ऊपर से रौंद दिया।

संक्षिप्त खबरें

अस्पतालों के टूटे दरवाजे दुरुस्त कराने के निर्देश

बस्ती। अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बस्ती मंडल डॉ. अश्वनी कुमार की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को कार्यालय सभागार में मंडलीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक में मंडल के सभी सीएमओ और अन्य स्वास्थ्य अधिकारी शामिल हुए। बैठक में सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की प्रगति देखी। उन्होंने कहा कि ठंड को देखते हुए अस्पतालों में ठंड से बचाव के इंतजाम भी किए जाए। जिला अस्पताल, जिला महिला अस्पताल व सीएचसी-पीएचसी में टूटे खिड़की व दरवाजों को ठीक कराया जाए। जिससे रोगियों को परेशानी न हो। अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं।

16 बार में 7.34 लाख का चालान

बस्ती। खनन कार्य में लगे वाहन पर कूट रचित तरीके से दूसरे वाहन के नंबर का माइन टैग लगाकर गोलमाल करने का मामला प्रकाश में आया है। कोतवाली क्षेत्र के महरीखावां निवासी विनीत कुमार की पत्नी मंजू देवी पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि उनके पास एक ट्रक है। उसके ट्रक के नंबर से माइन टैग बनाकर कई जिलों में खनन काम में प्रयोग किया गया। इस नंबर पर 16 बार में करीब 7.34 लाख रुपये का चालान किया जा चुका है। मामले में सदर कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

महिला अस्पताल में एक और लैब शुरू

बस्ती। जिला महिला अस्पताल में एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला (इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब) में एक और केंद्र का संचालन शुरू हो गया है। बृहस्पतिवार को नए पैथालॉजी लैब का शुभारंभ नपाध्यक्ष नेहा वर्मा ने फीता काटकर किया। बताया गया कि 150 प्रकार की जांच की सुविधा होगी। वैसे तो लैब का संचालन पहले से शुरू हो गया था, लेकिन उसे मूल्यांकन में रखा गया था। सीएमएस डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि लैब में मरीजों को करीब 150 प्रकार की जांचों की सुविधा मिलेगी। इतना ही नहीं मरीजों को इसकी जांच रिपोर्ट व्हाट्सएप पर भी मिल सकेगी और 24 घंटे इसका संचालन किया जाएगा। बताया कि नजदीकी मरीजों के साथ संचालित सीएचसी व पीएचसी के मरीज यहां आते हैं। अधिकांश मरीज गर्भवती होती हैं। दो लैब होने से अब आसानी से जांच हो सकेगी। पैथोलॉजी में सीबीसी, थायरायड, एलएफटी, केएफटी, हार्मोन समेत अन्य जांच हो सकेगी।

झाड़ियों में शव मिलने के मामले में एफआईआर

बस्ती। हरैर्या थाना क्षेत्र में मनोरमा नदी के किनारे समौढ़ी के पास शव मिलने के मामले में कोर्ट ने हरैर्या पुलिस को हत्या का केस दर्ज कर विवेचना का आदेश दिया है। थानेदार तहसीलदार सिंह ने बताया कि समौड़ी कला गांव के पास 12 जून को मनोरमा नदी के किनारे झाड़ियों में की शिनाख्त लक्ष्मण (48) उर्फ लच्छू निवासी गंगापुर थाना हरैर्या का शव मिलने के मामले में बृहस्पतिवार को आरोपी शिव कुमार उर्फ बब्बू शुक्ला निवासी महादेवरी और उसके अज्ञात साथियों पर एफआईआर दर्ज किया है।

बड़े भाई के बच्चों पर जेवरात हड़पने का आरोप

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के बाघापार निवासी अजय कुमार गुप्ता ने भतीजे और उसकी पत्नी, दो भतीजी पर पत्नी के जेवरात हड़प करने का आरोप लगाया है। बाघापार निवासी अजय कुमार गुप्ता ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि उन्होंने पत्नी के जेवरात सुरक्षा के लिहाज से बड़े भाई विमल कुमार के पास रखने को दिया था। भाई विमल कुमार ने गवाह राममणि मिश्र व बदरूद्दीन के सामने 20 नवंबर 2017 को हस्ताक्षर बनाया था। 21 सितंबर 2025 को भाई विमल कुमार का निधन हो गया। ब्रह्मभोज के बाद उन्होंने भतीजे पुनीत कुमार, उसकी पत्नी सीमा देवी और भतीजी संध्या, सपना जेवरात हड़पने की नीयत से यह कह रहे हैं कि नहीं मिल रहा है। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया है।

विकास भवन में आगंतुकों के लिए लगेंगे बेंच, आरओ प्लांट की भी सुविधा

बस्ती। विकास भवन में आगंतुकों के साथ ही वाहन चालकों के लिए भू-तल पर बेंच लगाए जाएंगे। अभी तक यहां बेंच की सुविधा न होने के कारण लोगों को खड़े होकर समय बिताना पड़ता है। इसको देखते हुए सीडीओ ने पहल की और बेंच के लिए जगह आरक्षित कराते हुए सुविधा देने के लिए संबंधित को दिशा-निर्देश दिए हैं। भू-तल के अलावा तीन मंजिला भवन में विकास कार्य संबंधी कार्यालय संचालित हो रहे हैं। रोजाना यहां सैकड़ों की संख्या में फरियादी और अधिकारी-कर्मचारी आते हैं। अधिकारियों के वाहन चालक कई घंटे तक इधर-उधर खड़े रह जाते हैं। इसी प्रकार फरियादी भी, दिव्यांग और अन्य लोग भी बेंच न मिलने से परेशान रहते थे। इसको लेकर कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों राम अधार पाल, मुकेश सोनकर, अजीत, दीप मणि शुक्ल आदि ने बेंच समेत अन्य सुविधा देने की मांग की थी। सीडीओ ने कर्मचारी संगठनों की मांग को देखते हुए भू-तल पर इंट्री गेट पर साफ-सफाई कराते हुए वहां पर फालतू चीजों को हटवाकर वहां जगह बनाते हुए उसे आरक्षित करवा दिया है।

बढ़ गए 13 परीक्षा केंद्र अब 130 केंद्रों पर कराई जाएगी परीक्षा

बस्ती। माध्यमिक शिक्षा परिषद- 2026 में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए संशोधित सूची में 13 केंद्रों की संख्या बढ़ा दी गई है। पहली बार नवंबर में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट में पंजीकृत 74158 विद्यार्थियों की परीक्षा के लिए 117 केंद्रों की सूची जारी की गई थी। संशोधित सूची बृहस्पतिवार को परिषद की वेबसाइट पर जारी हुई तो जिले में परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 130 कर दी गई है। यह वर्ष 2025 में बनाए गए 124 परीक्षा केंद्रों से भी ज्यादा है। हालांकि अभी 22 दिसंबर तक दोबारा आपत्ति दर्ज कराने का मौका दिया गया है। नवंबर पहली बार 117 केंद्रों के निर्धारण के बाद 4 दिसंबर तक आपत्तियां मांगी गई थी। इस अवधि में 95 आपत्तियां प्राप्त हुई। इसमें अधिक दूरी और अधिक छात्र संख्या आवंटित किए जाने का जिक्र किया गया था। जिला स्तरीय समिति ने इन आपत्तियों का निस्तारण किया। जिसमें केंद्र बढ़ाने की संस्तुति और छात्र आवंटन में संशोधन की संस्तुति सहित रिपोर्ट डीआईओएस स्तर से परिषद को 11 दिसंबर तक भेज दी गई थी। सात दिन बाद परिषद ने संशोधित सूची जारी की तो केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 130 कर दी गई है। इस बार पिछले वर्ष की तुलना में 6 केंद्र बढ़ाए गए हैं। जबकि पिछले वर्ष की तुलना में परीक्षार्थियों की संख्या 5531 घटी हुई है। इसीलिए पहली सूची में छह केंद्र घटाकर 117 कर दिए गए थे। लेकिन, आपत्तियों के बाद केंद्रों पर छात्र आवंटन कम करने के लिए 13 केंद्रों की संख्या बढ़ा दी है। अब संशोधित सूची के अनुसार जिन 13 नए विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया हैं वहां अध्ययनरत बालिकाओं को स्वकेंद्र की सुविधा मिलेगी। इससे उन्हें परीक्षा देने में आसानी होगी।

हेड और कैरी की शतकीय साझेदारी इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया को अबतक 356 रनों की बढ़त

एडिलेड।ट्रेविस हेड और एलेक्स कैरी की शानदार साझेदारी से ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एशेज टेस्ट में मजबूत स्थिति पर पहुंच गया है। ऑस्ट्रेलिया को अब तक 356 रनों की बढ़त हासिल हो चुकी है।सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड और एलेक्स कैरी के बीच पांचवें विकेट के लिए हुई शतकीय साझेदारी से ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एशेज टेस्ट में स्थिति मजबूत कर ली है। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में चार विकेट पर 271 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 356 रन की हो गई है। स्टंप्स के समय हेड 142 रन और कैरी 52 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन इंग्लैंड की पहली पारी 286 रन पर ऑलआउट की और 85 रनों की बढ़त ली। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 371 रन बनाए थे। हेड-कैरी का दमदार प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट करियर का 11वां शतक जड़ा।

विधानसभा सत्र के चलते चोक हुई राजधानी की सड़कें

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चलते लखनऊ की सड़कों पर जाम नजर आया। सत्र को लेकर पुलिस ने दें कि यह डायवर्जन 24 दिसंबर तक रहेगा। हालांकि, इस दौरान इमरजेंसी सेवाओं को राहत देते हुए ऐंबुलेंस, शव वाहन, दमकल वाहन और स्कूली बसों को डायवर्ट रूट से गुजरने की अनुमति रहेगी। विधानसभा सत्र को देखते हुए चारबाग से केकेसी की ओर डायवर्जन लागू किया गया, जिसके तहत शहर के बीचों-बीच भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई। इसका सीधा असर आसपास की सड़कों पर पड़ा और वैकल्पिक मार्गों पर अचानक यातायात का दबाव बढ़ गया। सुबह के समय इस मार्ग पर लंबा जाम लग गया, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। हजरतगंज और हुसैनगंज इलाके में जाम की स्थिति और गंभीर रही। लोहिया पथ होते हुए मुंशीपुलिया चौराहे तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कई जगहों पर वाहन घंटों तक रेंगते रहे और लोग समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच सके। दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों के साथ-साथ स्कूल और कॉलेज जाने वाले छात्र भी जाम में फंसे नजर आए। शुक्रवार सुबह विधानसभा सत्र के चलते अचानक बदली गई ट्रैफिक व्यवस्था से ऑफिस जाने वाले लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। कई कर्मचारियों को अपने कार्यस्थल पहुंचने में सामान्य से दोगुना समय लग गया। कुछ लोग रास्ते में जाम से बचने के लिए बार-बार रूट बदलते नजर आए, लेकिन उन्हें भी राहत नहीं मिल सकी। जाम से बचने के लिए बड़ी संख्या में लोगों ने शहीद पथ का रुख किया। खासतौर पर हाई कोर्ट और आसपास के इलाकों में जाने वाले वाहन चालक शहीद पथ होते हुए निकलते दिखे। हालांकि यहां भी ट्रैफिक का दबाव बढ़ा, लेकिन शहर के अंदरूनी इलाकों की तुलना में आवाजाही अपेक्षाकृत सुचारु रही।

हजरतगंज के 9 मार्गों पर डायवर्जन किया है। इसके बावजूद यातायात व्यवस्था बेपटरी हो गई। सुबह दफ्तर और जरूरी कामों के लिए निकलने वाले लोग घंटों फंसे रहे, जबकि कई मार्गों पर वाहनों की रफ्तार पैदल चलने से भी धीमी रही। चारबाग से मुंशीपुलिया तक वाहन रेंगते रहे। बता

मतदाता सूची का निष्पक्ष और त्रुटि रहित होना लोकतंत्र की बुनियाद: मायावती

लखनऊ(संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा है कि वोटर लिस्ट का शुद्ध, निष्पक्ष और त्रुटिरहित होना लोकतंत्र की बुनियाद है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही, भेदभाव या राजनीतिक हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने पार्टी के पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इस प्रक्रिया पर पैनी नजर रखें और जरूरत पड़ने पर चुनाव आयोग से शिकायत दर्ज कराएं। मायावती ने शुक्रवार को पार्टी की राष्ट्रीय बैठक में चुनावी तैयारियों, संगठन की मजबूती और निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था को लेकर अहम निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा संचालित वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से पूरा कराने पर विशेष जोर दिया। बैठक में पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मान में आयोजित कार्यक्रमों और आर्थिक मजबूती से जुड़े निर्देशों की समीक्षा की गई।

मायावती ने स्पष्ट किया कि संगठन की ताकत और अनुशासन ही बसपा की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ पार्टी हित में काम करने का आह्वान किया। उन्होने आरोप लगाया कि हाल के वर्षों में चुनावों के दौरान सरकारी धन और संसाधनों का दुरुपयोग बढ़ा है, जिससे निष्पक्ष चुनाव प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा उपचुनाव के दौरान सामने आए घटनाक्रम इस बात का उदाहरण हैं, जिनकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि हाल ही में सम्पन्न हुए बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बसपा को पूरी तैयारी और सतर्कता के साथ मैदान में उतरना होगा। नए राजनीतिक हालात में पार्टी को रणनीतिक रूप से मजबूत बनाते हुए जनहित के मुद्दों पर केंद्रित रहना होगा।

संक्षिप्त खबरें

निधन प्रस्ताव के बाद विधानसभा की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के पहले दिन विधानसभा में घोसी विधायक सुधाकर सिंह के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित किया गया। इसके बाद सदन की कार्यवाही सोमवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दी गई। विधान परिषद की कार्यवाही चलती रही । घोसी से सपा के विधायक सुधाकर सिंह के निधन पर शोक प्रस्ताव पर बोलते हुए सीएम योगी ने कहा कि सुधाकर सिंह जनता के कल्याण के लिए समर्पित रहे। उनके निधन से अपूर्णीय क्षति हुई है। परिवारजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सुधाकर सिंह युवा अवस्था से ही समाज सेवा में लगे रहते थे । देर रात तक भी जनता की सुनवाई करते थे। अन्याय के खिलाफ संघर्ष करते रहे। उनकी लोकप्रियता के कारण उपचुनाव में जनता ने भारी बहुमत से जिताकर भेजा। उनके जाने से सपा को क्षति हुई है। उसे उनकी कार्यों और लोकप्रियता से पूरी करेंगे। अपना दल के नेता रामनिवास वर्मा और जनसत्ता दल के रघुराज प्रताप सिंह ने भी शोक व्यक्त किया। शोक प्रस्ताव पारित होने के बाद विधानसभा की कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

कफ सिरप का पोस्टर और बैनर पहनकर आए सपा विधायक

लखनऊ(संवाददाता)। विधानमंडल के सत्र में भाग लेने के लिए शिकोहाबाद से सपा विधायक मुकेश वर्मा कोडीन कफ सिरप का पोस्टर पहनकर विधानसभा पहुंचे। उन्होंने पूछा कि आखिर कोडीन कफ सिरप की तस्करी करने वालों पर बुलडोजर कब चलेगा। काली कमाई में सत्ता पक्ष के लोग भी शामिल हैं। पुलिस-प्रशासन छोटी मछलियों को गिरफ्तार कर रहा है, जबकि बड़ों पर हाथ नहीं डाल रहा। वहीं वाराणसी से सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा साइकिल पर कफ सिरप की शीशी के कट आउट को लेकर पहुंचे। आरोप लगाया कि इस केस में बड़े लोग शामिल हैं। पहले कालीन भैया सुनते थे, अब कोडीन भैया आ गए हैं। सरकार कार्रवाई नहीं कर रही। बुलडोजर दिखाई नहीं पड़ रहा।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अखिलेश के साथ दिखाई कफ सिरप वालों की तस्वीर

लखनऊ(संवाददाता)। कफ सिरप को लेकर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने भी सपा और अखिलेश यादव पर पलटवार किया। एक तस्वीर दिखाते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि वांछित आरोपी अखिलेश के साथ दिखाई दे रहे हैं। डिप्टी सीएम ने कहा,ये तो वही बात हो गई, चोर की दाढ़ी में तिनका। ब्रजेश पाठक ने कहा कि पूरी की पूरी समाजवादी पार्टी सनातन संस्कृति के खिलाफ जितने भी बयान दे सकती है, देती है,हमारा मानना है कि ये लोग अखबार की सुर्खियां बटोरने के लिए इस प्रकार की बयानबाजी करते रहते हैं। ये सब वे तुष्टीकरण की राजनीति के तहत करते हैं।

उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू, संग्राम के संकेत

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो गया है।सत्र की शुरूआत के साथ ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार टकराव के संकेत साफ नजर आ रहे हैं। समाजवादी पार्टी सरकार को घेरने के लिए अलग-अलग मुद्दों पर विरोध को तैयार है।सपा विधायक और हमेशा साइकिल से विधानसभा पहुंचने वाले जाहिद बेग ने आज भी अनोखे अंदाज में अपना विरोध दर्ज कराया।जाहिद बेग अपने साथ एकियु आई के आंकड़े ऑक्सीजन सिलेंडर और कफ सिरप की एक शीशी लेकर विधानसभा पहुंचे। उनका कहना है कि प्रदेश में बढ़ते प्रदूषण और कफ सिरप की तस्करी जैसे गंभीर मुद्दों पर सरकार जवाब देने से बच रही है।विधानसभा परिसर में जाहिद बेग का यह प्रदर्शन चर्चा का विषय बना रहा। विपक्ष ने सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध बताया। शीतकालीन सत्र के पहले दिन सदन में विधायी कामकाज नहीं हो पाएगा।आज सदन में सपा विधायक स्वर्गीय सुधाकर सिंह के निधन पर शोकसभा आयोजित की जाएगी।दिवंगत विधायक को श्रद्धांजलि देने के बाद आज की कार्यवाही स्थगित कर दी जाएगी। शीतकालीन सत्र की शुरूआत भले ही शोकसभा से हो रही हो, लेकिन आने वाले दिनों में विधानसभा में सियासी घमासान तय माना जा रहा है।

मॉकड्रिल-लखनऊ में ट्रेनें टकराई, बोगियों में आग, एनडीआरएफ ने रेस्क्यू किया

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के आलमबाग में दो ट्रेनों में भीषण टक्कर हो गई। कुछ बोगियों में आग भी लग गई। ट्रेनों में बैठे यात्री बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगे। सूचना मिलते ही मौके पर तत्काल आरपीएफ, जीआरपी और एनडीआरएफ के जवान पहुंच गए। जवानों ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। यात्रियों को बाहर निकालने के लिए खिड़कियां तोड़ीं और ड्रिल करके बोगी की बॉडी भी काटी। यह कोई सच घटना नहीं बल्कि उत्तर रेलवे की तरफ से की गई मॉक ड्रिल का सीन था। उत्तर रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की मॉक ड्रिल का उद्देश्य सभी संबंधित विभागों की तैयारियों को परखना और किसी भी रेल दुर्घटना की स्थिति में जान-माल के नुकसान को न्यूनतम करना है। ऐसे अभ्यास भविष्य में भी नियमित रूप से कराए जाएंगे, ताकि आपात स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

बाइक सवार पर पीछे से चढ़ा ट्रक,राजमिस्त्री की ऑन स्पॉट मौत

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बाइक सवार राजमिस्त्री पर पीछे से ट्रक चढ़ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर वहां ट्रक छोड़कर भाग गया। पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया है और शव का पोस्टमॉर्टम कराने के लिए भेज दिया। मामला काकोरी कोतवाली क्षेत्र का है। किसान पथ आउटर रिंग रोड स्थित उदित खेड़ा अंडरपास पर यह हादसा हो गया। मृतक की पहचान दूल्हागंज, थाना काकोरी निवासी विनोद यादव (45) पुत्र स्वर्गीय पुत्ती लाल यादव के रूप में हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। विनोद अपनी मोटरसाइकिल यूपी 32 केएम 9163 से काम पर जा रहे थे। उदित खेड़ा अंडरपास के पास पहुंचे तो ट्रक यूपी 38 टी 4097 पीछे से उनको कुचल दिया। स्थानीय लोगों की सहायता से उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक अपना वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर मृतक के परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। काकोरी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और ट्रक को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि फरार ट्रक चालक की तलाश जारी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मृतक के घर में पत्नी नीलम, दो बेटियां पलक-पायल और एक बेटा शिवा है।

उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव में नहीं हो पायेगा फर्जी मतदान

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी में अगले साल होने पंचायत चुनाव में फर्जी मतदान को रोकने के लिए निर्वाचन आयोग ने दो बड़े फैसले लिए हैं। पंचायत चुनाव में तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा ताकि फर्जी मतदान किस संभावना को पूरी तरह से खत्म किया जा सके। हर मतदाता का फेसियल रिकग्निशन होगा और हर मतदाता का स्टेट वोटर नंबर होगा।मीडिया से मुखातिब राज्य निर्वाचन आयुक्त आरपी सिंह ने बताया कि तकनीक के इस्तेमाल से फर्जी मतदान को रोका जाएगा।यह चुनाव प्रक्रिया में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव होगा। इसके तहत हर मतदान केंद्र पर मतदाता के चेहरे की पहचान की जाएगी। अगर कोई व्यक्ति दूसरे की जगह वोट डालने की कोशिश करेगा तो सिस्टम उसे तुरंत पकड़ लेगा।चुनाव आयुक्त ने बताया कि इस बार पंचायत चुनाव में हर मतदाता को विशिष्ट स्टेट वोटर नंबर अलॉट किया जाएगा।यह विशेष मतदाता नंबर डाटा प्रबंधन में त्रुटियों को खत्म करेगा। अगर एक ही व्यक्ति के दो जगह वोटर लिस्ट में नाम हैं तो इस स्टेट वोटर नंबर से उसकी तुरंत पहचान हो जाएगी। मतदाता पुनरीक्षण के दौरान इस बार 40 लाख से अधिक मतदाता बढ़े हैं। वोटर लिस्ट रिवीजन में प्रदेश में 1,81,96,367 नए मतदाताओं को जोड़ा गया, 1,41,76,809 अयोग्य मतदाताओं के नाम काटे गए।फाइनल लिस्ट में 40 लाख 19 हजार 558 मतदाताओं की बढ़ोतरी हुई है जो कि पिछली बार की तुलना में 3,2 फीसदी अधिक है। फाइनल वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट 23 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा।इसके बाद मतदाता अपना नाम चेक कर सकते हैं। अगर कोई त्रुटि या अप्पति हो तो उसे भी दर्ज कराया जा सकता है।अगर नाम कटने का दावा भी किया जाता है तो उसका निस्तारण किया जाएगा।

यूपी में 4,09,444 किसानों से खरीदा गया धान, आंकड़ा 25 लाख मीट्रिक टन के पार

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान धान खरीद को लेकर योगी सरकार की नीतियों का असर धरातल स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। प्रदेश सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीद को किसान हितों से जोड़ते हुए न केवल खरीद प्रक्रिया को तेज किया है, बल्कि भुगतान व्यवस्था को भी अधिक पारदर्शी, समयबद्ध बनाया है। ताजा आंकड़े बताते हैं कि इस वर्ष धान खरीद में किसानों की भागीदारी बढ़ी है और ऑनलाइन केंद्रों के माध्यम से व्यवस्था को और सुदृढ़ हुई है। किसानों की भागीदारी के लिहाज से भी यह वर्ष महत्वपूर्ण रहा है। 2025-26 में धान खरीद से 4,09,444 किसान सीधे जुड़े हैं, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 3,73,840 थी। यह वृद्धि बताती है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार द्वारा बनाए गए भरोसे और सरल प्रक्रियाओं का सकारात्मक असर किसानों में दिख रहा है। अभी तक के आकड़ों पर गौर किया जाये तो वर्तमान विपणन वर्ष 2025-26 में अभी तक धान की खरीद का कुल आंकड़ा 2,50,2149.60 मीट्रिक टन तक पहुंच चुका है। धान खरीद के साथ-साथ सरकार ने डिस्पैच व्यवस्था को भी प्राथमिकता दी है। किसान पंजीकरण और सत्यापन की प्रक्रिया को ऑनलाइन करने से बिचौलियों की भूमिका लगभग समाप्त हुई है। भुगतान के मोर्चे पर भी सरकार ने संतुलित और जिम्मेदार रुख अपनाया है। अब तक 5569.97 करोड़ रुपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। धान खरीद व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए प्रदेश में 4,743 ऑनलाइन खरीद केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जो पिछले वर्ष के 4,347 केंद्रों की तुलना में अधिक हैं। इन केंद्रों के माध्यम से किसानों को उनके

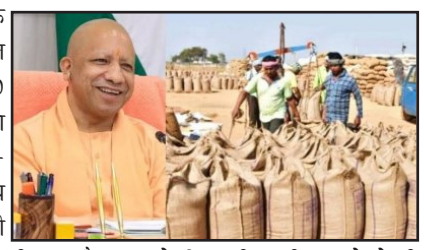

घर के निकट ही अपनी उपज बेचने की सुविधा मिल रही है। किसान पंजीकरण की बात करें तो 19 दिसंबर 2025 तक धान के लिए 8,82,988 किसानों का पंजीकरण हुआ जिसमें से 6,68,698 किसानों का सत्यापन कार्य पूरा किया जा चुका है। पिछले वर्ष इसी समय सीमा में 7,13,600 किसानों का पंजीकरण हुआ था। 6,10,135 किसानों का सत्यापन किया गया था। इन आकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि इस वर्ष न केवल पंजीकरण बढ़ा है बल्कि सत्यापन की गति भी तेज हुई है।प्रदेश में वर्ष 2025-26 में अब तक 1,72,109.30 मीट्रिक टन बाजरे की खरीद हो चुकी है, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 81,058.91 मीट्रिक टन था। बाजरे के कुल 41,568 किसानों ने चालू वर्ष में बिक्री की जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 15,096 थी।ज्वार की चालू वर्ष में खरीद 26,448.60 मीट्रिक टन रही। ज्वार के 7,814 किसानों ने इस वर्ष सरकारी खरीद प्रणाली के अंतर्गत फसल बेची जो पिछले वर्ष 7,282 किसानों से अधिक है। ज्वार किसानों को 91.49 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। ज्वार के लिए 82 क्रय केंद्र ऑनलाइन माध्यम से संचालित किए गए हैं।

तीन साल की बच्ची के सिर में लगी गोली, डॉक्टरों ने 5 घंटे तक ऑपरेशन कर निकाली

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गाजीपुर थाना क्षेत्र के बस्तौली गांव में छत पर खेल रही बच्ची के सिर में गोली लग गई। गोली कहां से आई, किसने चलाई ये पता नहीं चल पाया। इतनी गनीमत रही कि गोली टिन शेड को चीरते हुए आई थी इसलिए उसमें फोर्स काफी कम हो गया था जिससे बच्ची की जान बच गई। बच्ची के पिता ने थाने में शिकायत देकर मुकदमा दर्ज करवाया है। गंभीर रूप से घायल बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 5 घंटे तक ऑपरेशन कर उसके सिर से गोली निकाल ली। अभी बच्ची ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू वार्ड में भर्ती है। बच्ची रमेश की बेटी लक्ष्मी है। गाजीपुर थाना क्षेत्र के बस्तौली गांव निवासी रमेश ने बताया कि उनकी 3 वर्षीय बेटी लक्ष्मी घर की छत पर बने टीन शेड के नीचे भाई सौभाग्या (8) और हिमांश (7) के साथ खेल रही थी। इसी दौरान अचानक तेज आवाज हुई और लक्ष्मी के सिर से खून निकलने लगा। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर सब लोग घबरा गए और तुरंत उसे मेघना अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां सिर में टांके लगाए गए। रात में बच्ची की तबीयत फिर बिगड़ने पर परिजन उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले गए। जांच के दौरान डॉक्टरों ने बताया कि बच्ची के सिर में गोली फंसी हुई है। अस्पताल में बेड न होने के कारण उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। ट्रॉमा सेंटर में सीटी स्कैन के बाद बच्ची का ऑपरेशन कर सिर से गोली निकाल दी गई। फिलहाल बच्ची का इलाज जारी है। पीड़ित पिता रमेश ने बताया कि बच्ची को गोली कहां से लगी और किसने चलाई इसका पता नहीं चला पाया है। पीड़ित ने इस मामले की गाजीपुर थाने में शिकायत की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। गोली कहां से आई और किसने चलाई इन तमाम पहलुओं पर काम किया जा रहा है। दादा विक्की ने बताया कि बड़े भाई रमेश की बेटी परिवार के दो और बच्चों के साथ छत पर खेल रही थी। एकदम से काफी तेज आवाज आई। आवाज इतनी तेज थी कि अगल-बगल के लोगों को भी सुनाई दी। उसके बाद बच्चे के सर से खून निकलने लगा। उसके साथ खेलने दोनों बच्चे भी रोने लगे हैं। उनकी आवाज सुनकर परिवारीजन जब छत पर पहुंचे तो देखा खूनी खून था। उसके बाद उसको लेकर के अस्पताल भागे हम लोगों को लगा कि खेल खेल में चोट लग गई होगी। नजदीकी अस्पताल में ले गए जहां उसकी ड्रेसिंग करवाने के साथ डॉक्टर ने टांके लगाकर वापस भेज दिया। शाम को फिर उसकी हालत बिगड़ी तब उसको लोहिया अस्पताल ले गए जहां पता चला कि गोली लगी है। कल रात में करीब 8.00 बजे उसको ऑपरेशन के लिए ले गए और रात 1.00 बजे तक उसका ऑपरेशन चला। गोली कहां से आई इसका कोई आइडिया ही नहीं है। यह तो तब पता चला जब सीटी स्कैन हुआ। परिजनों का कहना है कि जब वह बच्ची को लेकर के नजदीकी मेघना हॉस्पिटल लेकर पहुंचे तो स्टाफ ने चोट समझकर टांका लगा दिया और ड्रेसिंग करके भेज दिया। परिजनों कहना है कि अस्पताल अगर समय से सीटी स्कैन या दूसरी जांच करवा लेता है तो बच्ची का इलाज और पहले से शुरू हो जाता। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस जब छत पर गई तो उसने देखा कि टिन पर गोली का निशान है। पुलिस ने इसके बाद आसपास के घरों से भी पूछताछ की। अभी तक की जांच में सामने आया है कि परिवार या आसपास के घरों में किसी के पास लाइसेंसी हथियार नहीं है। ऐसे में पुलिस के लिए मामला पहेली बन गया है।

वीआईपी ड्यूटी पर तैनात पीएसी जवान की मौत, मचा हड़कंप

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ के गौतमपल्ली थाना क्षेत्र में वीआईपी गार्ड ड्यूटी पर तैनात पीएसी जवान की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना निवासी पीएससी जवान गुलजार अली गुरुवार शाम 6 बजे ड्यूटी खत्म करने के बाद अपने कमरे में सोए थे, तभी उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक जवान के पिता ने बताया कि गुलजार 2019 में 49वीं वाहिनी पीएससी में भर्ती हुए थे। मिली जानकारी के अनुसार, जब गुलजार अली दोबारा ड्यूटी पर नहीं पहुंचे, तो उनके साथी वीरेंद्र ने कमरे में जाकर देखा। वह अचेत अवस्था में मिले और उनके शरीर में कोई प्रतिक्रिया नहीं थी। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने मौत का कारण हार्ट अटैक बताया है। मृतक जवान के पिता शराफत अली ने बताया कि गुलजार 2019 में 49वीं वाहिनी पीएससी में भर्ती हुए थे। उन्हें गुरुवार शाम फोन पर गुलजार की हार्ट अटैक से मौत की सूचना मिली। उनके दोस्त आरिफ ने भी बताया कि गुलजार 2019 में पीएससी 49वीं वाहिनी गौतम बुद्ध नगर में भर्ती हुए थे और फिलहाल लखनऊ में मंत्री संदीप की गार्ड में तैनात थे। गुलजार अली की शादी डेढ़ साल पहले कांधला के पास एक गांव में हुई थी। उनकी छह महीने की एक बेटी है। वह चार भाई-बहनों में से एक थे। गुलजार अली के निधन की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। उनकी पत्नी बेसुध होकर गिर पड़ीं। पूरे मोहल्ले में गमगीन माहौल है। अस्पताल से उनके पार्थिव शरीर को पैतृक कस्बा बुढ़ाना, बड़ौत रोड लाया जा रहा है।

यूपी में धान खरीद का नया रिकॉर्ड,25 लाख मीट्रिक टन का आंकड़ा पार, 4 लाख से अधिक किसानों को मिला फायदा

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान अब तक 25 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की सरकारी खरीद हो चुकी है। अधिकृत सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि ताजा आंकड़े बताते हैं कि इस वर्ष धान खरीद में किसानों की भागीदारी बढ़ी है और ऑनलाइन केंद्रों के माध्यम से व्यवस्था को और सुदृढ़ हुई है। किसानों की भागीदारी के लिहाज से भी यह वर्ष महत्वपूर्ण रहा है। वर्ष 2025-26 में धान खरीद से अब तक 4,09,444 किसान सीधे जुड़े हैं, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 3,73,840 थी। अभी तक के आकड़ों पर गौर किया जाये तो वर्तमान विपणन वर्ष 2025-26 में अभी तक धान की खरीद का कुल आंकड़ा 2,50,2149.60 मीट्रिक टन तक पहुंच चुका है। धान खरीद के साथ-साथ सरकार ने डिस्पैच व्यवस्था को भी प्राथमिकता दी है। किसान पंजीकरण और सत्यापन की प्रक्रिया को ऑनलाइन करने से बिचौलियों की भूमिका लगभग समाप्त हुई है। अब तक 5569.97 करोड़ रुपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। उन्होने बताया कि धान खरीद व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए प्रदेश में 4,743 ऑनलाइन खरीद केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जो पिछले वर्ष के 4,347 केंद्रों की तुलना में अधिक हैं।

क्रिसमस-न्यू ईयर पर डेढ़ घंटे ज्यादा चलेगी लखनऊ मेट्रो,रात 12 बजे तक करें यात्रा

लखनऊ(संवाददाता)। क्रिसमस (25 दिसंबर) और नए साल (1 जनवरी) पर लखनऊ मेट्रो शहरवालों की सुविधा बढ़ाएगा। आम दिनों की तरह रात 10.30 बजे के बजाय रात 12.00 बजे तक मेट्रो चलेगी। इससे यात्रियों को करीब डेढ़ घंटे अतिरिक्त सेवा मिलेगी और देर रात तक सफर करने वालों को राहत होगी। मेट्रो प्रशासन के मुताबिक, क्रिसमस और न्यू ईयर पर मॉल, चर्च, पार्क, रेस्टोरेंट और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भारी भीड़ उमड़ती है। लोग देर रात तक जश्न और घूमने-फिरने के लिए बाहर रहते हैं, जिससे सड़कों पर ट्रैफिक और पार्किंग की समस्या बढ़ जाती है। इससे राहत दिलाने के लिए यह डिसीजन लिया गया। पिछले तीन सालों के आंकड़े भी बताते हैं कि इन खास दिनों में मेट्रो यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ी है। साल 2022 में करीब 1.20 लाख यात्रियों ने क्रिसमस और न्यू ईयर के आसपास मेट्रो से सफर किया था। 2023 में यह संख्या बढ़कर लगभग 1.45 लाख तक पहुंच गई, जबकि 2024 में करीब 1.70 लाख से ज्यादा यात्रियों ने मेट्रो का इस्तेमाल किया। इन आंकड़ों से साफ है कि हर साल इन दिनों मेट्रो पर यात्रियों का दबाव बढ़ रहा है। मेट्रो अधिकारियों का कहना है कि त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा उनकी प्राथमिकता है। देर रात तक मेट्रो चलने से लोग सुरक्षित तरीके से अपने घर पहुंच सकेंगे। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त स्टाफ और सुरक्षा व्यवस्था भी तैनात की जाएगी ताकि संचालन सुचारू बना रहे। चारबाग मेट्रो स्टेशन रेलवे स्टेशन से जुड़ा होने की वजह से सबसे व्यस्त रहता है। यहां रोजाना लंबी दूरी की ट्रेन से आने-जाने वाले यात्रियों के साथ-साथ ऑफिस और बाजार जाने वाले लोग भी बड़ी संख्या में मेट्रो पकड़ते हैं। त्योहारों और छुट्टियों में यहां सबसे ज्यादा दबाव रहता है। शहर का मुख्य बाजार और कॉमर्शियल हब होने के कारण हजरतगंज स्टेशन पर दिनभर भीड़ रहती है। क्रिसमस और न्यू ईयर पर मॉल, रेस्टोरेंट और शॉपिंग के चलते देर रात तक यात्रियों की आवाजाही बनी रहती है।

मंत्र भारत

ग्वालियर-शनिवार,20 दिसम्बर 2025

संपादकीय

आप की खास जीत

आम तौर पर आम आदमी पार्टी को शहरी जनाधार वाली पार्टी के रूप में देखा जाता रहा है। लेकिन हालिया ग्रामीण निकाय चुनावों में उसकी जीत ने राजनीतिक विश्लेषकों को खूब चौंकाया है। पंजाब के जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के परिणामों ने राजनीतिक वर्चस्व और उभरते मतभेदों की कहानी भी बयां की है। सत्ताधारी आम आदमी पार्टी यानी आप ने ग्रामीण निकाय चुनावों में शानदार सफलता को दर्ज करते हुए राज्यभर में बड़ी संख्या में सीटें जीती हैं। जिसने इस बात की पुष्टि की है कि आम आदमी पार्टी पंजाब के शहरों में ही नहीं, ग्रामीण इलाकों में भी लोकप्रियता का आधार रखती है। वहीं दूसरे शब्दों में कहें तो ग्रामीण मतदाताओं में पंजाब की सत्ता में लंबे समय तक भागीदारी निभाने वाले राजनीतिक दलों से मोहभंग का सिलसिला लगातार बना हुआ है। हालांकि, आप की इस सफलता के साथ कुछ ऐसे पहलू भी जुड़े हैं, जिन पर पार्टी और उसके नेताओं को गहन विचार करने की जरूरत होगी। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में आम आदमी पार्टी का मजबूत प्रदर्शन उसके शासन के मॉडल के लिये निरंतर समर्थन का संकेत दे रहा है। यह एक ऐसा परिणाम है जो साल 2027 के राज्य विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में आप के पक्ष में सकारात्मक परिदृश्य बना सकता है। इसके विपरीत विरोधाभास यह भी है कि कई जगह ऐसे उल्लेखनीय उदाहरण सामने आए हैं, जहां आम आदमी पार्टी अपने नेताओं के गढ़ों में लड़खड़ा गई है। आप के कई प्रमुख नेता अपने ही गांवों में जीत हासिल करने में विफल रहे हैं। ऐसा क्यों हुआ, आप को इस पर मंथन करने की जरूरत है। वहीं शिरोमणि अकाली दल ने बठिंडा और मुक्तसर जैसे कुछ इलाकों में अपनी मजबूत पकड़ दशार्यी है। जो पार्टी के लिये हौसला बढ़ाने वाले संकेत कहे जा सकते हैं। दरअसल, शिअद के प्रदर्शन को लेकर मिश्रित प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कहा जा रहा है कि पार्टी यदि इस बढ़त को आगे भी कायम रख पाती है तो उसके संगठनात्मक पुनरुद्धार के लिये दीर्घकालिक परिणाम सामने आ सकते हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस का चुनावी प्रदर्शन निराशाजनक ही कहा जाएगा। दरअसल, अब भी कांग्रेस अपनी खोई हुई जमीन को फिर से हासिल करने लिये संघर्ष करती प्रतीत हुई है। ये कांग्रेस के लिये चिंता की ही बात हो सकती है कि वह अपने पारंपरिक गढ़ों तक में अब भी कोई ठोस व दमदार चुनौती पेश करने में असफल ही रही है। वहीं दूसरी ओर कुछ क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पैठ बनानी आरंभ की है। हालांकि, उसकी यह बढ़त सिर्फ मामूली ही कही जाएगी। बहरहाल, कह सकते हैं कि चुनाव परिणामों से उपजी तसवीर पंजाब में बदलते राजनीतिक परिदृश्य की ओर ही इशारा करती नजर आती है। वैसे एक हकीकत यह भी है कि किसी भी चुनाव के परिणाम चुनावी परिदृश्य का आंशिक दृष्टिकोण ही परिभाषित करते हैं। मतदाता जमीनी स्तर पर आम आदमी पार्टी की नीतियों से काफी हद तक संतुष्ट ही दिखे हैं। इसके बावजूद स्थानीय निष्ठाएं और उम्मीदवार विशिष्ट कारक प्रमुखता से सामने आते हैं। इन स्थानीय ग्रामीण इकाइयों के चुनावों में आम आदमी पार्टी के नेताओं के गृह क्षेत्रों में मिली हार इस बात की भी याद दिलाती है कि किसी दल के लिये राजनीतिक पूंजी बेहद नाजुक ही होती है। यह भी कि ग्रामीण मतदाता स्थानीय नेतृत्व के प्रति उतने ही सजग और संवेदनशील होते हैं, जितना कि राज्य स्तरीय विचारों के प्रति। आगे चलकर, अगर आप को पंजाब में अपने जनादेश को बनाये रखना है और साथ ही उसका विस्तार करना चाहती है, तो उसे जमीनी स्तर पर नेतृत्व को मजबूत प्राथमिकता के आधार पर तैयार करना होगा। साथ ही उसे ग्रामीण मतदाताओं की विभिन्न चिंताओं का समाधान भी प्राथमिकता के आधार पर करना होगा। अब ये आने वाला समय बताएगा कि आप ने इन चुनाव परिणामों के निहितार्थों का किस सीमा तक चिंतन-मनन किया है। यदि पार्टी इन चुनाव परिणामों से सबक लेकर अपनी रीतियों-नीतियों में बदलाव लाती है तो साल 2027 के विधानसभा चुनावों में उसका जनाधार मजबूत हो सकता है।

आंखें तरेरता बांग्लादेश

> लेकिन मोदी से पहले भारत की विदेश नीति की धमक इस कारण से बनी हुई थी कि वह गुट निरपेक्ष आंदोलन का प्रणेता था, वैश्विक शक्तियों के सामने नवोदित देशों को सम्मान के साथ खड़े होने का आदर्श उसने पेश किया और तीसरी दुनिया के देश भारत को बड़े भाई की तरह देखते थे। पाकिस्तान के साथ तो भारत के रिश्ते हमेशा नरम-गरम रहे, लेकिन पाकिस्तान से अलग हुए बांग्लादेश, पड़ोसी देश नेपाल, भूटान, श्रीलंका, म्यांमार सब पर भारत का रसूख बना हुआ था, जो अब लगभग खत्म हो चुका है। इन सब देशों के साथ संबंध अभी सामान्य हैं, लेकिन जो गर्माहट पहले हुआ करती थी, वो मोदी सरकार के आने के बाद खत्म हो गई है।खास तौर पर बांग्लादेश के साथ तो हमेशा से एक अपनापा रहा है। वहां का मुक्ति संग्राम भारत के कारण सफल हुआ। दोनों देशों का राष्ट्रगान रवीन्द्रनाथ टैगोर ने लिखा है, इस बात पर भी नागरिकों को खुशी होती थी।

अपने विदेश दौरों की गिनती बढ़वा कर और सबसे अधिक देशों से वहां का सर्वोच्च सम्मान हासिल करने का रिकार्ड अपने नाम करवाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगे हुए हैं। उनके लिए शायद बड़ी उपलब्धि यही होगी कि कितने राष्ट्राध्यक्षों को उन्होंने झप्पी दी है, कितनों के साथ कार में अकेले सवारी की है और कितनों को पहले नाम से बुलाते हैं। लेकिन मोदी से पहले भारत की विदेश नीति की धमक इस कारण से बनी हुई थी कि वह गुट निरपेक्ष आंदोलन का प्रणेता था, वैश्विक शक्तियों के सामने नवोदित देशों को सम्मान के साथ खड़े होने का आदर्श उसने पेश किया और तीसरी दुनिया के देश भारत को बड़े भाई की तरह देखते थे। पाकिस्तान के साथ तो भारत के रिश्ते हमेशा नरम-गरम रहे, लेकिन पाकिस्तान से अलग हुए बांग्लादेश, पड़ोसी देश नेपाल, भूटान, श्रीलंका, म्यांमार सब पर भारत का रसूख बना हुआ था, जो अब लगभग खत्म हो चुका है। इन सब देशों के साथ संबंध अभी सामान्य हैं, लेकिन जो गर्माहट पहले हुआ करती थी, वो मोदी सरकार के आने के बाद खत्म हो गई है।खास तौर पर बांग्लादेश के साथ तो हमेशा से एक अपनापा रहा है। वहां का मुक्ति संग्राम भारत के कारण सफल हुआ। दोनों देशों का राष्ट्रगान रवीन्द्रनाथ टैगोर ने लिखा है, इस बात पर भी नागरिकों को खुशी होती थी। दोनों देश पाकिस्तान की सैन्य तानाशाही के नुकसान देख चुके हैं। इसके अलावा अविभाजित भारत का हिस्सा होने के कारण सांस्कृतिक, भाषायी, धार्मिक इतिहास की साझेदारी भी रही है। लेकिन अब वही बांग्लादेश भारत को न केवल तोड़ने की धमकी दे रहा है, बल्कि खुलकर पाकिस्तान और चीन के साथ जाते हुए भारत के योगदान की अवहेलना भी कर रहा है।बुधवार को भारत ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमिदुल्लाह को तलब कर ढाका में भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा को लेकर अपनी चिंता जताई थी। इसी पर बांग्लादेश की नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के सदर्न चीफ ऑर्गेनाइजर हसनत अब्दुल्लाह ने कहा कि भारत के उच्चायुक्त को देश से बाहर निकाल देना

चाहिए था। इससे पहले अब्दुल्लाह भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अलग करने की धमकी दे चुके हैं। बता दें कि दो महीने में यानी फरवरी 2026 में बांग्लादेश में आम चुनाव होंगे और एनसीपी ने हसनत अब्दुल्लाह को कुमिल्ला-4 से उम्मीदवार बनाया है। इसी कुमिल्ला में अब्दुल्लाह ने भारत विरोधी बातें कहीं, उन्होंने कहा कि भारत के उच्चायुक्त को देश से बाहर निकाल देना चाहिए था क्योंकि वह शेख हसीना को शरण दे रहा है। हम आपका सम्मान करें और आप देखते ही गोली मारने की बात करो, ये सही नहीं है।भारत के विदेश मंत्रालय ने इस पर प्रतिक्रिया दी है कि बांग्लादेश में हाल की कुछ घटनाओं को लेकर कट्टरपंथी तत्वों के झूठे विमर्श को हम पूरी तरह से खारिज करते हैं। हसनत जैसे चरमपंथी और हिंसक विचारधारा वाले लोग और उनके समर्थक अब मोहम्मद यूनुस को समर्थन देने वाली एकमात्र वास्तविक शक्ति बन गए हैं। जिस देश में यूनुस के नेता सार्वजनिक रैलियों में खुलेआम यह कह सकते हैं कि वे एक पड़ोसी देश के उच्चायुक्त को बाहर निकाल देंगे, वहां यह स्पष्ट है कि आम लोग दिन-रात खुद को कितना असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ऐसे बांग्लादेश में आम नागरिक अब न तो अपने जीवन को लेकर सुरक्षित महसूस करते हैं और न ही अपनी संपत्ति को लेकर यह कठोर वास्तविकता देश में कानून-व्यवस्था और राजनीतिक संयम के पूरी तरह ढह जाने को उजागर करती है। इधर भारत में शरणागत बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजीद जॉय ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए ईमेल इंटरव्यू में कहा है कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार एक इस्लामी शासन स्थापित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि बांग्लादेश में जो अभी स्थिति है, वह भारत के लिए खतरा बढ़ा रही है। अमेरिका में रहने वाले वाजीद ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से पाकिस्तान की बढ़ती कथित कघ्रीबी को लेकर इंडियन एक्सप्रेस से कहा, यह भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। हमारी अवामी लीग सरकार ने भारत की पूर्वी सीमाओं को सभी आतंकवादी गतिविधियों से सुरक्षित रखा था। उससे पहले, बांग्लादेश का व्यापक रूप से भारत में विद्रोह फैलाने के लिए एक बेस के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। वाजीद ने यह भी कहा कि यूनुस सरकार ने देश में जमात-ए-इस्लामी और अन्य इस्लामी दलों को खुली छूट दे दी है। सभी प्रगतिशील और उदारवादी दलों पर प्रतिबंध लगाकर एक धांधलीपूर्ण चुनाव कराकर, यूनुस इस्लामी कट्टरपंथियों को सत्ता में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। यह बेहद गंभीर चेतावनी है और महज बांग्लादेशी घुसपैठियों का नाम लेकर देश में चुनावी फायदा उठाने की कोशिश में लगी भाजपा को इन हालात की गंभीरता समझनी होगी। अगले साल बांग्लादेश में किस तरह चुनाव होते हैं और किसके हाथ में सत्ता आती है, यह तो अभी पता नहीं, लेकिन मौजूदा सरकार ने भारत को पूरी तरह किनारे लगा ही दिया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने भारत पर 1971 के मुक्ति संग्राम में बांग्लादेश के योगदान को लगातार कम करके आंकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के स्वतंत्रता सेनानियों के बिना यह जीत संभव नहीं थी। तौहीद ने कहा कि कोलकाता में इस दिन को अलग से श्ईस्टर्न कमांड डेश के रूप में मनाया जाता है, जो इस बात को दशार्ता है कि भारत इसे अपनी सशस्त्र सेनाओं की जीत के रूप में देखता है। यह सच है कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल की थी। लेकिन बांग्लादेश में मिली जीत के संदर्भ में खुद भारतीय विशेषज्ञ, जिनका मैंने अपनी किताब में उल्लेख किया है, यह स्वीकार करते हैं कि अगर स्थानीय प्रतिरोध से पाकिस्तानी सेना को कमजोर न किया गया होता तो भारत को जीत में कहीं अधिक समय लगता। पिछले साल दिसंबर महीने में ही बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के सदस्य मिर्जा अब्बास ने कहा था, श्भारत ने बांग्लादेश नहीं बनाया। हमने बांग्लादेश मुक्त कराया। भारत ने तो पाकिस्तान को बांटा और ये अपने स्वार्थ में किया न कि हमारे स्वार्थ के लिए।बेशक बांग्लादेश ने अपनी मुक्ति के लिए खुद लड़ाई लड़ी और लाखों लोगों ने कुर्बानियां दीं, शेख हसीना का परिवार भी उन्हीं में से एक है। उनके पिता शेख मुजीबुर्ररहमान ने अपनी जान दे दी, लेकिन देश से भागे नहीं। आज उन्हीं मुजीबुर्ररहमान को जब बांग्लादेश में अपमानित किया जा रहा है, तो इंदिरा गांधी के योगदान को याद रखे, इसकी उम्मीद नहीं की जाना चाहिए। लेकिन कम से कम मोदी सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बांग्लादेश उसे आंखें न तरेरे। अपनी वाहवाही से फुर्सत मिले तो प्रधानमंत्री मोदी अड़ोस-पड़ोस की खबर ले लें।

बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की मुहिम तेज हुई है

> नाबालिग बच्चे सोशल मीडिया जॉइन नहीं कर सकते। इस पर कभी अमल नहीं हुआ। इंटरनेट की दुनिया में परिपक्वता के बगैर बच्चों का निर्बाध प्रवेश, सामाजिक ताने-बाने के साथ देश की आर्थिक प्रगति को अवरुद्ध कर सकता है। इससे जुड़े 7 पहलुओं को समझना जरूरी है। ऑनलाइन खतरों से 13 साल से कम उम्र के बच्चों को बचाने के लिए अमेरिका में 1998 में कानून बना था। ऑनलाइन बुलीइंग और सेक्सटॉर्शन स्कैम में फंसे बच्चों की मौत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने 2024 में कानून बनाया, जो अब लागू हुआ है। इसके अनुसार 16 साल से कम उम्र के बच्चे टिक-टॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब समेत 10 प्लेटफॉर्म जॉइन नहीं कर सकते। कानून का उल्लंघन करने वाली कम्पनियों के खिलाफ 3 अरब रु. का जुमार्ना लग सकता है। देश में 18 साल से कम उम्र के नाबालिग बच्चे सिम कार्ड नहीं खरीद सकते और उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं मिल सकता। बच्चों को गुटखा, शराब आदि हानिकारक पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ पुलिस मुकदमा दर्ज कर लेती है। कॉन्ट्रेक्ट एक्ट और डेटा सुरक्षा कानून के अनुसार कम्पनियां बच्चों का डेटा हासिल नहीं कर सकतीं। ऑनलाइन दुनिया में यौन-शोषण और पोर्नोग्राफी से बच्चों को बचाने के खिलाफ भारत में भी अनेक कानून हैं। मेटा का 19: से अधिक राजस्व ठगी और प्रतिबंधित कंटेंट के विज्ञापनों से आ रहा है। मेटा के प्रोजेक्ट मर्करी की रिपोर्ट के अनुसार सोशल मीडिया से बच्चों की मानसिक सेहत और शैक्षणिक क्षमताओं पर दुष्प्रभाव पड़ता है।

ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध को संयुक्त राष्ट्र सहित यूरोप के कई देशों ने समर्थन दिया है। भारत में भी दिल्ली हाईकोर्ट ने अगस्त 2013 में केएन गोविंदाचार्य मामले में आदेश पारित किया था कि नाबालिग बच्चे सोशल मीडिया जॉइन नहीं कर सकते। इस पर कभी अमल नहीं हुआ। इंटरनेट की दुनिया में परिपक्वता के बगैर बच्चों का निर्बाध प्रवेश, सामाजिक ताने-बाने के साथ देश की आर्थिक प्रगति को अवरुद्ध कर सकता है। इससे जुड़े 7 पहलुओं को समझना जरूरी है। ऑनलाइन खतरों से 13 साल से कम उम्र के बच्चों को बचाने के लिए अमेरिका में 1998 में कानून बना था। ऑनलाइन बुलीइंग और सेक्सटॉर्शन स्कैम में फंसे बच्चों की मौत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने 2024 में कानून बनाया, जो अब लागू हुआ है। इसके अनुसार 16 साल से कम उम्र के बच्चे टिक-टॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब समेत 10 प्लेटफॉर्म जॉइन नहीं कर सकते। कानून का उल्लंघन करने वाली कम्पनियों के खिलाफ 3 अरब रु. का जुमार्ना लग सकता है। देश में 18 साल से कम उम्र के नाबालिग बच्चे सिम कार्ड नहीं खरीद सकते और उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं मिल सकता। बच्चों को गुटखा, शराब आदि हानिकारक पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ पुलिस मुकदमा दर्ज कर लेती है। कॉन्ट्रेक्ट एक्ट और डेटा सुरक्षा कानून के अनुसार कम्पनियां बच्चों का डेटा हासिल नहीं कर सकतीं। ऑनलाइन दुनिया में यौन-शोषण और पोर्नोग्राफी से बच्चों को बचाने के खिलाफ भारत में भी अनेक कानून हैं। मेटा का 19: से अधिक राजस्व ठगी और प्रतिबंधित कंटेंट के विज्ञापनों से आ रहा है। मेटा के प्रोजेक्ट मर्करी की रिपोर्ट के अनुसार सोशल मीडिया से बच्चों की मानसिक सेहत और शैक्षणिक क्षमताओं पर दुष्प्रभाव पड़ता है। टेक कम्पनियों का एक तिहाई कारोबार बच्चों से होता है। नुकसान से बचने के लिए मेटा ने इस रिपोर्ट को दबा दिया, लेकिन वह लीक हो गई। उसके बाद स्कूल, अभिभावक और कई राज्यों ने कैलिफोर्निया की अदालत में मुकदमा दायर किया। तब ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों में टेक कम्पनियों के चंगुल से बच्चों को छुड़ाने की मुहिम तेज हुई। ऑस्ट्रेलिया में कक्षा-10 के शैक्षणिक मापदंड में 72: बच्चों के असफल होने की रिपोर्ट के बाद सोशल मीडिया का मामला राष्ट्रीय चिंता का विषय बन गया। किशोर औसतन 5 घंटे रोज सोशल मीडिया पर बिता रहे हैं। स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी के अध्ययन के अनुसार सोशल मीडिया, मीम और एआई चौटबॉट्स ने बच्चों की बोलने और लिखने की क्षमता को बुरी तरह से प्रभावित किया है। उनका मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक भागीदारी और कैरियर प्रभावित हो रहा है। प्रतिबंध के बावजूद बच्चे लॉग-आउट मोड में सोशल मीडिया देख सकते हैं। जेन-जी ने स्नैप-चौट, रेडिट, डिस्कार्ड जैसे सीक्रेट अड्डे तलाश लिए हैं और वे डिजिटल फुटप्रिंट्स को भी नियमित खत्म कर रहे हैं। कई स्मार्ट बच्चे परिवार, दोस्त और अंजान लोगों से सम्पर्क रखने के लिए तीन एकाउंट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। वीपीएन और डार्क वेब की दुनिया में बच्चों को रोकने के लिए कानून से ही काम नहीं चलेगा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा है कि नए कानून से ऑनलाइन सुरक्षा मिलने के साथ बच्चों का बचपन वापस आएगा। इस सांस्कृतिक बदलाव को सफल बनाने के लिए उन्होंने समाज के साथ राज्यों के नेताओं का भी धन्यवाद किया है। उन्होंने बच्चों से कहा है कि मोबाइल पर समय बिताने के बजाय वे संगीत सीखें, किताबें पढ़ें, दोस्तों के साथ खेलें और परिवारजनों के साथ अच्छा समय बिताएं। भारत में 18 से कम उम्र के 45 करोड़ बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग को रोकने के लिए वेरिफिकेशन की मांग हो रही है। इसके लिए सेल्फी, आईडी या बायोमैट्रिक इकट्ठा करने की इजाजत मिली तो डेटा के दुरुपयोग से बच्चों की डिजिटल सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इस पर पाबंदी लगाने के लिए टेक कंपनियों से जुमार्ना वसूलने वाला डेटा सुरक्षा कानून लागू करना होगा। जब तमाम दूसरी हानिकारक चीजों पर प्रतिबंध है तो सोशल मीडिया को भी उसी श्रेणी में क्यों न रखा जाए? संसद भवन में ई-सिगरेट पीने पर विवाद है। दिल्ली समेत दूसरे शहरों में प्रदूषण से रोकथाम के लिए अनेक प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। लेकिन देश के भविष्य बच्चों को ही डिजिटल प्रदूषण से बचाने वाले मानकों पर अमल नहीं हो रहा है।

सबसे छोटे शीतकालीन सत्र की कुछ रोचक झलकियां

> स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्रायः बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या अपना क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

जब आप ये पंक्तियां पढ़ रहे होंगे, भारत के संसदीय इतिहास का सबसे छोटा शीतकालीन सत्र अपने समापन की ओर अग्रसर हो रहा होगा। ऐसे में पेश हैं मेरी संसदीय डायरी से कुछ संक्षिप्त टिप्पणियां। सर्वदलीय बैठक हर सत्र से पहले सरकार द्वारा सर्वदलीय बैठक बुलाने की परम्परा है। इस बार 36 दलों के फ्लोर नेताओं ने इसमें हिस्सा लिया। भाजपा को छोड़ हर दल ने हस्तक्षेप करते हुए उन मुख्य मुद्दों की सूची रखी, जिन पर वे सत्र के दौरान चर्चा चाहते थे। बैठक में मौजूद पांच मंत्रियों ने सुबह 11 बजे सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया। दोपहर 1.30 बजे उन्होंने शालीनता से सभी का धन्यवाद किया और विदा ले ली। तो सरकार ने बैठक में क्या कहा? वही बहुचर्चित वाक्य- हम आपसे शीघ्र ही सम्पर्क करेंगे! सभापति का अभिनंदन रू सत्र के पहले दिन नवनियुक्त राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन का सभी दलों के सांसदों ने स्वागत किया। उनमें से कुछ ने अपने औपचारिक भाषणों का उपयोग राजनीतिक संकेत देने के लिए भी किया। यह स्तम्भकार भी उनमें शामिल था। नए सभापति से आग्रह किया गया कि रू (1) सदन की बैठकों की संख्या बढ़ाई जाएय पहली लोकसभा 45 दिनों तक चली थी, आज हालत यह है कि सत्र महज 15 दिनों का रह गया हैय (2) राज्यसभा में चर्चा के लिए अधिक नोटिस स्वीकारे जाएंय 2009 से 2016 के बीच जहां 110 नोटिस स्वीकार हुए, वहीं 2017 से 2024 के बीच यह संख्या गिरकर 36 रह गईय (3) विधेयकों की गंभीर जांच होय 15वीं लोकसभा में दस में से सात विधेयक संसदीय समितियों के पास भेजे गए थे, जबकि 16वीं और 17वीं लोकसभा (2019-24) में यह अनुपात घटकर क्रमशः तीन और दो रह गया। इनोवेटिव विरोध रू सामान्य तौर पर सांसद मकर द्वार पर विरोध-प्रदर्शन करते हैं। लेकिन टीएमसी ने इस परम्परा में थोड़ा बदलाव किया। पूरे सप्ताह विरोध अलग-अलग स्थानों पर दर्ज कराया गया- गांधीजी की प्रतिमा के पास (जो अब मुख्य इमारत से काफी दूर कर दी गई है), विजय चौक के लॉन और पुराने संसद भवन की सीढ़ियों पर। हालांकि प्रधानमंत्री द्वारा बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को बंकिम-दा कहे जाने के विरोध के लिए टीएमसी ने एक बिल्कुल अलग स्थान चुना। सांसदों ने सेंट्रल हॉल में दस मिनट मौन धरना दिया। उनके हाथों में राष्ट्रीय

गीत के रचयिता बंकिम चंद्र और राष्ट्रगान के रचयिता रबीन्द्रनाथ ठाकुर की तस्वीरें थीं। संदेश स्पष्ट था और प्रतीकात्मकता प्रभावशाली! सदन में क्रिकेटर कीर्ति आजाद और यूसुफ पठान की सदन में उपस्थिति ठीक-ठाक रही है। लेकिन इस सत्र में आप के राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह को संसद की पिच पर खेलते नहीं देखा गया। सवाल है कि क्या वे संसद में कम उपस्थिति के मामले में सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं? ध्यानाकर्षण मंजूर नहीं ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संसद की एक अहम युक्ति है, जिसके जरिए विपक्ष का कोई सदस्य किसी विशेष मुद्दे पर मंत्री का ध्यान आकर्षित कर सकता है। इससे विपक्ष को किसी महत्वपूर्ण विषय पर संक्षिप्त बहस शुरू करने और सरकार को जवाबदेह ठहराने का अवसर मिलता है। लेकिन एक बार फिर, न लोकसभा और न ही राज्यसभा में एक भी ध्यानाकर्षण प्रस्ताव स्वीकार किया गया। नड्डा से सबक संसदीय परम्परा के अनुसार जब कोई मंत्री बोल रहा हो और विपक्ष का कोई सदस्य बीच में हस्तक्षेप करना चाहे, तो मंत्री अपनी बात रोकता है और बैठ जाता है, ताकि सांसद अपनी बात रख सके। राज्यसभा में जेपी नड्डा को भाषण के दौरान दो बार विपक्षी सांसदों को हस्तक्षेप की अनुमति देते देखना सुखद रहा। यह अच्छी परम्परा है। गृह मंत्री अमित शाह चाहें तो इस मामले में नड्डा से सीख सकते हैं! छात्रों से भेंट सत्र के दौरान ही इस स्तम्भकार को संसद में तमिलनाडु और झारखंड से आए छात्रों के एक समूह से मिलने का अवसर मिला। उनके लिए टूर गाइड बनना अपने आप में बेहद सुखद अनुभव था। ऐतिहासिक सेंट्रल हॉल उनका सबसे पसंदीदा स्थान निकला। एक छात्रा इस अनुभव से इतनी भावुक हो गई कि उसकी आंखों में आंसू आ गए। अधिक से अधिक युवाओं को सेंट्रल हॉल आकर इस विशिष्ट स्थल का अनुभव लेना चाहिए, जिसे अब लगभग किसी म्यूजियम में बदल दिया गया है! पुनश्च इस साल अप्रैल में मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा पर रात 1 बजे चर्चा हुई थी। बीती रात भी मर्डर ऑफ मनरेगा बिल विषय पर रात 2 बजे तक चर्चा चली।

मनोरंजन

श्रीलंका ने टी20 विश्व कप के लिए प्रारंभिक टीम घोषित की

कोलंबो। टी20 विश्व कप के लिए अब ज्यादा समय शेष नहीं रह गया है और सह मेजबान श्रीलंका ने भी इसके लिए कमर कस ली है। श्रीलंका ने चरिथ असलंका को टी20 टीम के कप्तानी पद से हटा दिया है। श्रीलंका ने अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए शुक्रवार को 25 सदस्यीय प्रारंभिक टीम की घोषणा की है। श्रीलंका ने चरिथ असलंका को कप्तानी पद से हटा दिया है और उनकी जगह दासुन शनाका को टीम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। चयन समिति के अध्यक्ष के रूप में वापसी करने वाले प्रमोदया विक्रमसिंघा ने कहा कि असलंका की खराब बल्लेबाजी फॉर्म और शनाका के पिछले तीन विश्व कप खेलने के अनुभव ने इस फैसले में अहम भूमिका निभाई। असलंका को कप्तानी से हटाने की तेज थीं अटकलें असलंका ने पिछले महीने सुरक्षा का हवाला देते हुए पाकिस्तान का सीमित ओवर का दौरा बीच में ही छोड़ दिया था जिसके बाद से ही उन्हें कप्तानी से हटाने की अटकलें लगना शुरू हो गई थी।

'खुदा हाफिज' फेम एक्ट्रेस शिवालिका ओबेरॉय ने किया प्रेग्नेंसी का ऐलान,

खास अंदाज में साझा की खुशखबरी

अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय और निमार्ता-निर्देशक अभिषेक पाठक जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट के जरिए इस खबर को फैंस के साथ साझा किया है। बॉलीवुड एक्ट्रेस शिवालिका ओबेरॉय और मशहूर निर्देशक-निमार्ता अभिषेक पाठक की जिंदगी में जल्द ही एक नया और बेहद खास अध्याय जुड़ने वाला है। शादी के करीब तीन साल बाद यह कपल अपने पहले बच्चे का स्वागत करने की तैयारी कर रहा है। इस खुशखबरी को दोनों ने बेहद खूबसूरत अंदाज में सोशल मीडिया के जरिए साझा किया, जिसके बाद से ही फिल्म इंडस्ट्री और फैंस की तरफ से लगातार बधाइयों का सिलसिला जारी है। तस्वीर के जरिए अनाउंस की प्रेग्नेंसी शिवालिका और अभिषेक ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें कपल की खुशी साफ झलक रही है। तस्वीरों में शिवालिका लाल रंग की ड्रेस में नजर आ रही हैं और उनके हाथ में नन्हे बेबी सॉक्स हैं, जो आने वाली नई जिंदगी का प्रतीक हैं। वहीं अभिषेक पाठक काले रंग की शर्ट में शिवालिका को थामे हुए दिखाई दे रहे हैं। क्रिसमस ट्री के सामने खड़ी यह जोड़ी बेहद सुकून और प्यार से भरी नजर आती है। एक दूसरी तस्वीर में दोनों ने क्रिसमस ऑनामेंट पकड़ा हुआ है, जिस पर लिखा है- 'बेबी पाठक आने वाला है। इस फोटो में कपल ने अपने चेहरे छुपा रखे हैं, लेकिन उनकी खुशी शब्दों से कहीं ज्यादा तस्वीरों में झलक रही है। इस खास पोस्ट के साथ कपल ने कैप्शन में लिखा कि उनकी लव स्टोरी अब अपने सबसे खूबसूरत पड़ाव पर पहुंच रही है और उनकी दुनिया में एक छोटी-सी ब्लेसिंग जुड़ने वाली है। शिवालिका और अभिषेक की लवस्टोरी शिवालिका और अभिषेक की प्रेम कहानी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दोनों की पहली मुलाकात साल 2020 में फिल्म खुदा हाफिज के सेट पर हुई थी। इस फिल्म को अभिषेक पाठक ने प्रोड्यूस किया था और शिवालिका इसमें लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आई थीं। काम के दौरान दोनों के बीच दोस्ती हुई, जो धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। इसके बाद अभिषेक ने टर्की में हॉट एयर बैलून के नीचे बेहद रोमांटिक अंदाज में शिवालिका को प्रपोज किया था। फरवरी 2023 में दोनों ने गोवा में अपने करीबी दोस्तों और परिवार की मौजूदगी में शादी कर ली। शादी के वक्त भी कपल ने सोशल मीडिया पर लंबा-सा नोट लिखकर अपनी खुशियां फैंस के साथ साझा की थीं। अभिषेक-शिवालिका की फिल्में अगर करियर की बात करें तो अभिषेक पाठक बॉलीवुड के जाने-माने नाम हैं। उन्होंने दृश्यम 2 और उजड़ा चमन जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है, जबकि प्यार का पंचनामा, खुदा हाफिज और सेक्शन 375 जैसी चर्चित फिल्मों को प्रोड्यूस भी किया है। वहीं शिवालिका ने अपने करियर की शुरूआत बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर किक और हाउसफुल 3 जैसी फिल्मों से की थी। बाद में उन्होंने ये साली आशिकी से एक्टिंग डेब्यू किया और खुदा हाफिज से उन्हें खास पहचान मिली।

बेटे तैमूर के स्कूल फंक्शन में समोसा खाती दिखीं करीना कपूर, बेबो को कार्बी डॉल कहकर चिढ़ाते दिखे करण जौहर

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस करीना कपूर खान अपनी फिटनेस और ग्लैमरस लुक को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। दो बच्चों की मां बनने के बाद भी करीना की खूबसूरती और कॉन्फिडेंस में कोई कमी नहीं आई है। हालांकि, वह फिटनेस को लेकर सजग जरूर हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वह अपनी पसंदीदा चीजों से पूरी तरह दूरी बना लेती हैं।हाल ही में करीना का एक मजेदार वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें वह अपने बेटों के स्कूल के एनुअल डे फंक्शन के दौरान समोसे का लुत्फ उठाती नजर आ रही हैं। इस वीडियो को करीना कपूर के करीबी दोस्त और फिल्ममेकर करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। क्लिप में करीना बेहद रिलैक्स मूड में डीप फ्राइड समोसा खाते हुए दिखाई देती है। वीडियो में करण जौहर मजाकिया अंदाज में कहते हैं, करीना कपूर स्कूल प्ले में यही कर रही हैं, समोसा खा रही हैं। जो लोग सोचते हैं कि वह डाइट पर हैं, उनके लिए बता दूं कि वह एक बड़ा सा समोसा खा रही हैं। इसके बाद करण हंसते हुए करीना को कार्बी डॉल कहकर चिढ़ाते हैं, यह इशारा करते हुए कि समोसे में भरपूर काबोर्हाइड्रेट होता है। करण आगे कहते हैं, मुझे तुम पर गर्व है बेबो, मुझे तुम पर गर्व है। तुम एक कार्बी डॉल हो और मुझे यह बहुत पसंद है। इस पर करीना थोड़ी हैरान होती दिखती हैं और हंसते हुए जवाब देती हैं कि वह फिलहाल किसी भी तरह की डाइट फॉलो नहीं कर रही हैं। गौरतलब है कि करीना कपूर खान और करण जौहर की दोस्ती दो दशकों से भी ज्यादा पुरानी है। दोनों न सिर्फ एक-दूसरे के बेहद करीब हैं, बल्कि उनके बच्चे भी एक ही स्कूल में पढ़ते हैं। ऐसे में यह वीडियो उनकी गहरी दोस्ती और करीना की बेफिक्र, रियल लाइफ पर्सनैलिटी की झलक दिखाता है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस का ट्रेलर लॉन्च, 16 जनवरी को रिलीज होगी फिल्म

आमिर खान प्रोडक्शंस ने अपनी नई जासूसी कॉमेडी हैप्पी पटेल खतरनाक जासूस का ऐलान बड़े ही मजेदार और हटके अंदाज में किया है, जिसने दर्शकों की जिज्ञासा तुरंत बढ़ा दी। वीर दास के निर्देशन में बनी और उन्हीं के साथ मोना सिंह की अहम भूमिका वाली इस फिल्म का अनाउंसमेंट खुद में एक फन पैकेज था, जिसने हर तरफ चर्चा पैदा कर दी। अब जब उत्साह अपने चरम पर है, तो फिल्म का ट्रेलर सामने आ चुका है, जो भरपूर हंसी, मस्ती और मनोरंजन का वादा करता है। हैप्पी पटेल खतरनाक जासूस का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है और यह मजे को एकदम नए लेवल पर ले जाता है। ट्रेलर में जबरदस्त मूर और कई मजेदार, हटके पल देखने को मिलते हैं, जो साफ संकेत देते हैं कि फिल्म पूरी तरह एंटरटेनमेंट से भरी होने वाली है। निर्देशक और अभिनेता दोनों की भूमिका में वीर दास अपनी अलग और फ्रेश कॉमेडी स्टाइल लेकर आए हैं, जो खूब हंसाने वाली है। एनर्जी, चार्म और यंग वाइब से भरा यह ट्रेलर फिल्म को लेकर उत्साह और भी बढ़ा रहा है। हैप्पी पटेल खतरनाक जासूस के ट्रेलर में वीर दास एक बिल्कुल नए अंदाज में नजर आते हैं, जहां वह एक परफेक्ट लेकिन थोड़े इम्परफेक्ट जासूस बने हैं, जो एक मिशन पर निकले हैं। कहानी आगे बढ़ते ही वह मुसीबतों में फँस जाते हैं और फिर शुरू होता है पूरा हंगामा, जो देखने में बेहद मजेदार लगता है। मोना सिंह अपने रॉ और दमदार अवतार से चौंकाती हैं, जैसा उन्हें पहले कभी स्क्रीन पर नहीं देखा गया, वहीं मिथिला पालकर अपनी अलग सी मासूमियत और चार्म जोड़ती हैं। आमिर खान का बिल्कुल अलग और अनोखा लुक कहानी में एक और जोरदार तड़का लगा देता है। कुल मिलाकर, यह ट्रेलर मस्ती और पागलपन से भरी एक फुल ऑन रोलरकोस्टर राइड है। इसके अलावा आमिर खान प्रोडक्शंस हमेशा से हटकर और अलग तरह की कहानियां पेश करता आया है। लगान, तारे जमीन पर, दंगल और सीक्रेट सुपरस्टार जैसी शानदार फिल्मों के बाद यह एक बार फिर कुछ नया दिखाने की कोशिश है। खास बात यह है कि इस बार उनकी साझेदारी मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन वीर दास के साथ हुई है, जिन्होंने न सिर्फ अपने कॉमेडी स्पेशल्स के जरिए दुनियाभर में पहचान बनाई है।

शिल्पा शेट्टी के घर नहीं पड़ा आयकर विभाग का छापा, वकील ने जारी किया बयान ; जानें क्या है मामला

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के मुंबई वाले घर पर आयकर विभाग का छापा पड़ने की खबर थी। लेकिन अब इस मामले पर उनके वकील का बयान सामने आ गया है। उनके वकील ने इस पर क्या कुछ कहा है, चलिए जानते हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंद्रा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में मीडिया में यह खबरें सामने आईं कि उनके मुंबई स्थित आवास पर इनकम टैक्स विभाग ने छापेमारी की है। इन अटकलों ने तब और जोर पकड़ लिया जब अभिनेत्री और उनके पति राज कुंद्रा पहले से ही 60 करोड़ रुपये से जुड़े एक कथित धोखाधड़ी मामले में जांच के दायरे में हैं। हालांकि अब शिल्पा शेट्टी की ओर से इन तमाम खबरों पर साफ और कड़ा जवाब सामने आया है। शिल्पा शेट्टी के वकील प्रशांत पाटिल ने सार्वजनिक रूप से बयान जारी कर इनकम टैक्स रेड की खबरों को पूरी तरह गलत और भ्रामक बताया है। उनके अनुसार, अभिनेत्री के खिलाफ किसी भी प्रकार की छापेमारी नहीं हुई है। वकील ने साफ किया कि इनकम टैक्स अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई केवल एक नियमित प्रक्रिया थी, जिसे रूटीन वेरिफिकेशन कहा जाता है। घर पर नहीं हुई छापेमारी वकील के बयान के मुताबिक, कुछ लोगों ने जानबूझकर इस सामान्य जांच को छापेमारी का रूप देकर पेश किया, ताकि इसे आर्थिक अपराध शाखा (एडह) से जुड़े मामले से जोड़ा जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। शिल्पा शेट्टी की ओर से यह भी दोहराया गया कि उनके घर पर किसी भी तरह की रेड नहीं हुई और इस तरह की खबरें पूरी तरह निराधार हैं। 60 करोड़ की ठगी का आरोप गौरतलब है कि शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के खिलाफ मुंबई के एक कारोबारी ने गंभीर आरोप लगाए हैं। कारोबारी का दावा है कि उनसे लोन और निवेश के नाम पर करीब 60 करोड़ रुपये लिए गए, लेकिन उस रकम का इस्तेमाल व्यापारिक विस्तार के बजाय निजी खर्चों में किया गया। यह मामला 2015 से 2023 के बीच के लेन-देन से जुड़ा बताया जा रहा है, जिसकी जांच फिलहाल आर्थिक अपराध शाखा कर रही है। इसी बीच, शिल्पा शेट्टी से जुड़े एक अन्य मामले ने भी ध्यान खींचा है। बेंगलुरु स्थित उनके रेस्टोरेंट बास्टियन पर नियमों के उल्लंघन का आरोप लगा है। पुलिस ने आरोप लगाया है कि रेस्टोरेंट तय समय से ज्यादा देर तक संचालित किया जा रहा था, जिसके चलते एफआईआर दर्ज की गई। हालांकि इस मामले में भी अभी जांच जारी है और किसी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है।

उत्तराखंड की खूबसूरत वादियों में ट्रैक पर निकले ऋतिक रोशन, तस्वीरें शेयर कर लिखा-ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर चलना दिल को..

बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन इन दिनों मायानगरी की भागदौड़ से दूर प्रकृति के बीच कुछ सुकून के पल बिताते नजर आ रहे हैं। एक्टर हाल ही में उत्तराखंड की खूबसूरत वादियों में ट्रेकिंग के लिए पहुंचे, जहां उन्होंने हरियाली से ढके पहाड़ों, धुंध में लिपटे रास्तों और शांत वातावरण के बीच वक्त गुजारा। इस खास सफर की कई तस्वीरें ऋतिक ने सोशल मीडिया पर शेयर कीं, जो देखते ही देखते इंटरनेट पर छा गईं। ऋतिक ने अपनी इस ट्रेकिंग जर्नी के साथ एक भावुक कैप्शन भी शेयर किया। उन्होंने लिखा- ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर चलना उनके दिल को खुशी से भर देता है और काश वे उसी जगह लौट पाते, जहां सब कुछ वैसा होना चाहिए था। ऋतिक की पोस्ट सामने आते ही फैंस ने न सिर्फ खूबसूरत नजारों की तारीफ की, बल्कि मजेदार कमेंट्स की भी बाढ़ आ गई। कई यूजर्स ने उनकी साल 2003 की सुपरहिट फिल्म कोई मिल गया को याद करते हुए एलियन जादू से जुड़े मीम्स और कमेंट्स करने शुरू कर दिए।जादू मिल गया क्या?, जंगल में जादू की तलाश चल रही है क्या? जैसे कमेंट्स सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगे। काम की बात करें तो ऋतिक इन दिनों कई प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं। वे अपने एचआरएक्स फिल्म्स बैनर के तहत अमेजन प्राइम वीडियो की आगामी सीरीज स्टॉर्म से निमार्ता के रूप में ओटीटी पर डेब्यू करने जा रहे हैं। इसके अलावा वह कृष 4 के निर्माण की तैयारी भी कर रहे हैं।

गांगुली ने फुटबॉल फैन क्लब पर दायर किया 50 करोड़ का मानहानि मुकदमा मेसी से जुड़ा है मामला

कोलकाता। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने एक फुटबॉल फैन क्लब के अधिकारी पर मानहानी का मुकादमा किया है। लियोन मेसी के कार्यक्रम में हुए विवाद पर उनका नाम घसीटे जाने के बाद गांगुली ने यह कदम उठाया है। लियोनल मेसी का भारत दौरा भले ही समाप्त हो गया है, लेकिन कोलकाता में उनके कार्यक्रम के दौरान उठा विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अब इस मामले को लेकर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कोलकाता स्थित एक फुटबॉल फैन क्लब के अधिकारी पर मानहानी का मुकादमा किया है। गांगुली ने यह कदम तब उठाया है जब मेसी विवाद में उनका नाम झूठे तरीके से घसीटा गया और उनके खिलाफ अपमानजनक बयान दिया गया। पुलिस में दर्ज कराई शिकायत क्रिकेटर से खेल प्रशासक बने गांगुली ने अर्जेंटीना फुटबॉल फैन क्लब के उत्तम साहा के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी। साहा ने एक पत्रकार से बातचीत में गांगुली पर मेसी के जीओएटी इंडिया टूर का मुख्य आयोजक होने का आरोप लगाते हुए दावा किया था कि गिरफ्तार मुख्य आयोजक सतद्रु दत्ता केवल एक मोहरा है।

भीड़ हिंसा के खिलाफ सभी एकजुट हों बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने नागरिकों से की अपील

ढाका। अंतरिम सरकार की तरफ से बांग्लादेश में जारी हिंसा को लेकर कहा गया है कि देश इस समय एक अहम मोड़ पर खड़ा है और एक ऐतिहासिक लोकतांत्रिक परिवर्तन की प्रक्रिया से गुजर रहा है। ऐसे में कुछ अराजक तत्वों को इस प्रक्रिया को पटरी से उतारने की इजाजत नहीं दी जा सकती। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने देश के नागरिकों से अपील की है कि वे हर तरह की भीड़ हिंसा (मॉब वायलेंस) का विरोध करें। यह अपील राजधानी ढाका में जुलाई आंदोलन के एक प्रमुख नेता हादी की गोली लगने के बाद मौत के कुछ दिनों बाद की गई है। सरकार ने कहा है कि ऐसी हिंसा कुछ गिने-चुने अराजक तत्वों की करतूत है और नए बांग्लादेश में इसके लिए कोई जगह नहीं है। हिंदू व्यक्ति की मॉब लिंचिंग की सरकार ने की निंदा अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने एक बयान जारी कर हाल ही में एक हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या की कड़ी निंदा

की। मृतक की पहचान दीपू चंद्र दास के रूप में हुई है, जिन्हें मयमनसिंह शहर में कथित ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने मार डाला और बाद में शव को आग लगा दी। सरकार ने साफ कहा कि इस जघन्य अपराध के दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। शांति का रास्ता अपनाएं - मुख्य सलाहकार सरकार के मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'हम हिंसा, डराने-धमकाने, आगजनी और संपत्ति के नुकसान की हर घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं।' सरकार ने लोगों से अपील की कि वे नफरत, उकसावे और हिंसा को पूरी तरह नकारें और शांति का रास्ता अपनाएं। शुक्रवार के दिन नई हिंसा की कोई सूचना नहीं हालांकि शुक्रवार को दिन में किसी नई हिंसा की सूचना नहीं मिली, लेकिन गुरुवार रात प्रदर्शनकारियों ने ढाका के धनमंडी इलाके में स्थित 32 नंबर मकान के पहले से ढहाए गए ढांचे में तोड़फोड़ की। यह मकान बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान का पूर्व आवास था। इसके अलावा राजधानी में दो प्रमुख मीडिया संस्थानों के दफ्तरों पर भी हमला किया गया। चटगांव में सहायक भारतीय उच्चायोग के आवास पर भी पत्थर फेंके गए, हालांकि वहां कोई नुकसान नहीं हुआ। पुलिस ने हालात को काबू में करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया, लाठीचार्ज किया और 12 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। हमलों की अंतरिम सरकार ने की निंदा अंतरिम सरकार ने मीडिया संस्थानों पर हुए हमलों की भी कड़ी निंदा की। बयान में कहा गया कि मीडिया पर हमला दरअसल स्वतंत्र प्रेस और सच पर हमला है, जो देश के लोकतांत्रिक भविष्य के लिए गंभीर खतरा है। सरकार ने मीडिया संस्थानों और पत्रकारों के प्रति समर्थन जताते हुए कहा कि उन्हें पूरा न्याय दिया जाएगा। बयान में यह भी कहा गया कि आने वाले चुनाव और जनमत संग्रह सिर्फ राजनीतिक प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि यह देश की एक गंभीर राष्ट्रीय प्रतिबद्धता हैं। उस्मान हादी की मौत के बाद भड़की हिंसा गौरतलब है कि उस्मान हादी, जो 12 फरवरी को होने वाले आम चुनावों के उम्मीदवार थे, को ढाका में नकाबपोश हमलावरों ने गोली मार दी थी। वे छह दिन तक सिंगापुर के एक अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझते रहे, लेकिन अंततः उनकी मौत हो गई। हादी पिछले साल हुए 'जुलाई आंदोलन' के प्रमुख नेताओं में से एक थे, जिसके बाद शेख हसीना सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। शेख हसीना, जो अगस्त में सत्ता से हटने के बाद देश छोड़कर चली गई थीं, फिलहाल भारत में हैं।

उत्तरी वजीरिस्तान में सुरक्षा कैंप पर आतंकी हमला जवाबी कार्रवाई में सभी पांच हमलावर ढेर

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने एक आत्मघाती हमले को नाकाम करते हुए पांच आतंकवादियों को मार गिराया। यह हमला उत्तरी वजीरिस्तान के एक सुरक्षा कैंप पर किया गया

था, जिसमें चार सुरक्षाकर्मी घायल हुए। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को सुरक्षा बलों ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने एक आत्मघाती बम हमले के बाद पांच आतंकवादियों को मार गिराया। इस घटना के दौरान चार सुरक्षाकर्मी घायल हुए है। घटना अफगानिस्तान सीमा से सटे उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीरान शाह की दत्ता खेल तहसील में बोया किले के कैंप में हुई। पुलिस के अनुसार आतंकवादियों में से एक, जो आत्मघाती हमलावर था, उसने विस्फोटक से भरी गाड़ी को सुरक्षा कैंप में घुसा दिया और उसमें विस्फोट कर दिया। इसी धमाके के दौरान चार और हमलावर परिसर में घुस गए और गोलीबारी शुरू कर दी। हालांकि, हमले का पता चलते ही सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई शुरू की और सभी पांच हमलावरों को मार गिराया। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी में चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। विस्फोट के तुरंत बाद, सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी और बम निरोधक दस्ते के साथ रेस्क्यू की टीमें राहत कार्यों में लगे हुए थे। यह घटना उत्तरी वजीरिस्तान के मीर अली में एक सैन्य कैंप पर सुरक्षा बलों द्वारा आत्मघाती हमले को नाकाम करने के दो महीने बाद हुई है, जिसमें चार आतंकवादी मारे गए थे। बता दें कि पाकिस्तान, खासकर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत, में आतंकवादी हमलों की बाढ़ आ गई है। इस साल की शुरूआत में, पाकिस्तान ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2025 में दूसरे स्थान पर था, जिसमें पिछले साल की तुलना में आतंकवादी हमलों में होने वाली मौतों की संख्या में 45 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी।

पाकिस्तान में आईएस-के प्रवक्ता सुल्तान अजीज अजम हुए गिरफ्तार

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को सौंपी गई एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने इस वर्ष इस्लामिक स्टेट-खुरासान (आईएस-के) के प्रवक्ता सुल्तान अजीज अजम को गिरफ्तार किया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को सौंपी गई एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने इस वर्ष इस्लामिक स्टेट-खुरासान (आईएस-के) के प्रवक्ता सुल्तान अजीज अजम को गिरफ्तार किया है। संयुक्त राष्ट्र की विश्लेषणात्मक सहायता और प्रतिबंध निगरानी टीम की 16वीं रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने कुछ हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारियों की है, जैसे कि इस मई में अजम की गिरफ्तारी हुई है। इस कारण क्षेत्र में आईएस-के की सक्रियता कम हो गई है। बता दे कि आईएस-के इस्लामिक स्टेट-खुरासान प्रांत का संक्षिप्त रूप है, जो मुख्य रूप से अफगानिस्तान, मध्य एशिया और दक्षिण एशिया में सक्रिय एक आतंकवादी संगठन है। सरकारी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान और पीटीवी न्यूज ने बताया कि खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के पास एक अभियान के दौरान अजम को गिरफ्तार किया। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में दावा किया गया कि उनकी गिरफ्तारी के बाद, अल-अजैम फाउंडेशन जैसे आईएस-के के प्रचार तंत्र को भारी झटका लगा है। आतंकवाद विरोधी अभियानों के की वजह से आईएसके की क्षमता में कमी आई- संयुक्त राष्ट्र संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है, ₹कुल मिलाकर, आतंकवाद विरोधी अभियानों के की वजह से आईएसके की क्षमता में कमी आई है। आईएसके के प्रमुख कमांडरों और विचारकों को निष्क्रिय कर दिया गया है। इसके साथ ही आईएसके लड़ाकों की संख्या में भी कमी आई है। कई नियोजित हमलों को नाकाम कर दिया गया है।₹ इसमें आगे कहा गया है कि सीमा के दोनों ओर स्वतंत्र रूप से काम करने की आईएस-के की क्षमता बाधित हो गई है, लेकिन यह स्वीकार किया गया है कि काबुल का यह दावा कि उनकी धरती पर या वहां से कोई आतंकवादी समूह काम नहीं कर रहा है, हालांकि यह विश्वसनीय नहीं है₹। आईएस-के मदरसों में बच्चों को कट्टरपंथी विचारधारा से ग्रसित करता है - संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट में कहा गया है, ₹तालिबान का दावा है कि अफगानिस्तान में या अफगानिस्तान से कोई आतंकवादी समूह सक्रिय नहीं है।₹ ₹हालांकि, सदस्य देशों की रिपोर्टों से पता चलता है कि विभिन्न प्रकार के आतंकवादी समूह अभी भी देश में सक्रिय हैं, जिन्हें तालिबान अधिकारियों द्वारा अलग-अलग स्तर की स्वायत्तता और निगरानी प्राप्त है।₹ इसमें आगे कहा गया है: ₹उत्तरी अफगानिस्तान और पाकिस्तानी सीमाओं के निकट के क्षेत्रों में आईएस-के द्वारा मदरसों में बच्चों को कट्टरपंथी विचारधारा से ग्रसित करने और लगभग 14 वर्ष की आयु के नाबालिगों के लिए आत्महत्या प्रशिक्षण पाठ्यक्रम स्थापित करने की खबरें हैं। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद ने 8 दिसंबर को एक पत्र के माध्यम से अनुरोध किया कि रिपोर्ट को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के ध्यान में लाया जाए। डॉन अखबार ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के हवाले से बताया कि अजम 2015 में अफगानिस्तान में आईएस-के के स्थापित होने के बाद से ही उसके प्रवक्ता के पद पर था। यूरोपीय परिषद के अनुसार, वह उनकी मीडिया शाखा, अल-अजैम मीडिया का संचालन करता था। अजम ने 26 अगस्त, 2021 को काबुल में हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास हुए आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी आईएस-के की ओर से ली और 2 मार्च, 2021 को तीन महिला पत्रकारों की हत्या और 3 अगस्त, 2020 को जलालाबाद में हुए जेल हमले के बाद समूह के संदेशों को प्रसारित किया।

आपदा की मार झेल रहे श्रीलंका को मिली बड़ी सहायता पुनर्निर्माण फंड में जमा हुए 4.2 अरब रुपये

कोलंबो। चक्रवाती तूफान के कारण मची तबाही के बाद श्रीलंका के पुनर्निर्माण फंड में 4.2 अरब रुपये से ज्यादा जमा हुए हैं। वहीं श्रीलंकाई फंड' में अब तक 4.2 अरब श्रीलंकाई रुपये (एसएलआर) से ज्यादा की राशि जमा हो चुकी है। यह जानकारी वित्त मंत्रालय के एक

संसद में 500 अरब रुपये के अतिरिक्त बजट पर मुहर लगने की संभावना है। बता दें कि श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने इस फंड का गठन किया था। चक्रवात दित्वाह से बुरी तरह प्रभावित श्रीलंका के पुनर्निर्माण के लिए बनाए गए 'रीबिल्ड श्रीलंका वरिष्ठ अधिकारी ने दी। चक्रवात के बाद हालात को संभालने और दोबारा निर्माण के लिए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने इस फंड का गठन किया था। वित्त मंत्रालय के अधिकारी हर्षणा सुरियाप्पेरुमा ने बताया कि अब तक कुल एसएलआर 4286 मिलियन जमा हो चुके हैं। इसमें एसएलआर 4263 मिलियन सीधे बैंक खातों में जमा हुए हैं, जबकि एसएलआर 23 मिलियन विदेशी मुद्रा के रूप में मिले हैं। यह रकम अमेरिकी डॉलर में करीब 13.86 मिलियन के बराबर है। सिर्फ विदेशी मुद्रा में मिले छह मिलियन रुपये उन्होंने कहा कि केवल विदेशी मुद्रा में ही छह मिलियन डॉलर से ज्यादा की राशि प्राप्त हुई है। इस फंड में देश-विदेश के लोगों ने योगदान दिया है, जिनमें श्रीलंकाई उद्योगपति, कारोबारी संस्थान, सामाजिक संगठन, विदेशों में रहने वाले श्रीलंकाई नागरिक और शुभचिंतक शामिल हैं। उत्तरी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, चीन और ब्रिटेन से मिले दान सरकार को यह भी उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं जैसे विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और एशियाई विकास बैंक पुनर्निर्माण में मदद करेंगी। दान की राशि में उत्तरी अमेरिका से आए योगदान सबसे अधिक रहे, इसके बाद ऑस्ट्रेलिया, चीन और ब्रिटेन का स्थान है। संसद में 500 अरब रुपये के अतिरिक्त बजट पर मुहर संभव श्रीलंकाई संसद से आज एसएलआर 500 अरब के अतिरिक्त बजट को मंजूरी मिलने की उम्मीद है, ताकि राहत और पुनर्निर्माण के खर्च पूरे किए जा सकें। सरकार के शुरूआती अनुमान के मुताबिक कुल पुनर्बहाली खर्च छह-सात अरब डॉलर तक हो सकता है। चक्रवात दित्वाह के बाद पूरे देश में भारी बाढ़, भूस्खलन और बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान हुआ, जिससे आपदा-प्रबंधन पर भारी दबाव पड़ा।

यूक्रेन के और भी इलाकों पर होगा रूसी सेना का कब्जा वार्षिक ऑनलाइन सत्र में व्लादिमीर पुतिन का एलान

मास्को। रूसी राष्ट्रपति पुतिन का वार्षिक ऑनलाइन प्रश्नोत्तर सत्र काफी रोचक होने की उम्मीद है। इस सत्र में यूक्रेन के साथ शांति समझौते से लेकर देश के लोगों को सब्सिडी दिए जाने के मुद्दों पर सवाल पूछे जा सकते हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को कहा कि मास्को की सेना यूक्रेन के युद्धक्षेत्र में आगे बढ़ रही है और उन्होंने भरोसा जताया कि क्रेमलिन के सैन्य लक्ष्य हासिल कर लिए जाएंगे। पुतिन ने एलान किया कि रूसी सेनाओं ने रणनीतिक पहल को पूरी तरह से अपने हाथ में ले लिया है और वर्ष के आखिर तक और ज्यादा फायदा मिलेगा। रूस की बड़ी और बेहतर हथियारों से लैस सेना ने हाल के महीनों में यूक्रेन में धीमी लेकिन स्थिर प्रगति की है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शुक्रवार को हर साल के आखिर में होने वाला वार्षिक ऑनलाइन सत्र में हिस्सा लिया। इस दौरान पुतिन ने जनता और मीडिया के सवालों के जवाब दिए। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 'डायरेक्ट लाइन' प्रश्नोत्तर सत्र में कहा कि यूक्रेनी सेना डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक के क्रास्नोआर्मेस्क के कुछ हिस्सों को फिर से हासिल करने की अप्रभावी कोशिश कर रही है, जिसमें उसे भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। व्लादिमीर पुतिन ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि रूसी सेना के भविष्य में क्रास्नी लिमान पर नियंत्रण करने और फिर स्लाव्यान्स्क की ओर आगे बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'सेवेर्स्क शहर के दक्षिण में रूसी सेना दक्षिणी लिमान में सक्रिय और प्रभावी ढंग से अभियान चला रही हैं। सेना शहर में घुस चुकी हैं और वहां लड़ाई जारी है। मुझे भरोसा है कि क्रास्नी लिमान बहुत जल्द आजाद हो जाएगा।' ऑनलाइन प्रश्नोत्तर सत्र भारतीय समयानुसार दोपहर ढाई बजे से आयोजित किया गया। पुतिन अपने राष्ट्रपति के तौर पर कार्यकाल के 22वें वर्ष में है और इस सत्र में रूस के नजरिये से साल 2025 के नतीजों का सारांश प्रस्तुत किया। क्रेमलिन की ओर से कहा गया है कि पुतिन उन विदेशी मीडिया से भी सवाल लेंगे जिन्हें मॉस्को 'दोस्त जैसा' नहीं मानता है। शुक्रवार को होने वाले ऑनलाइन सम्मेलन से पहले के दो हफ्तों में क्रेमलिन की ओर से खासतौर से स्थापित कॉल सेंटरों को राष्ट्रपति के लिए 24 लाख से अधिक प्रश्न प्राप्त हुए हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव के अनुसार, अधिकांश प्रश्न सामाजिक मुद्दों और सब्सिडी से जुड़े हैं।

अब प्राकृतिक नागरिकता रद्द करेगी ट्रंप सरकार

वॉशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने अप्रवासन विभाग के फील्ड अफसरों को एक आंतरिक निर्देश जारी कर में डर का माहौल पैदा हो गया है। अवैध अप्रवासियों पर कार्रवाई करने के साथ ही अब ट्रंप सरकार ने

प्राकृतिक नागरिकता वाले लोगों की जांच करने और गड़बड़ी पाए जाने पर हर माह 100-200 लोगों की नागरिकता रद्द करने का निर्देश दिया गया है। इससे भारतीय मूल के लोगों लोगों में डर का माहौल है। खासकर एशियाई मूल के लोग इसे लेकर ज्यादा चिंतित हैं। ट्रंप प्रशासन ने अप्रवासन अधिकारियों को जारी किया आंतरिक निर्देश अमेरिकी मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी नागरिकता और अप्रवासन सेवा विभाग के फील्ड अफसरों को एक आंतरिक निर्देश जारी किया गया है। इस निर्देश के तहत हर महीने 100-200 प्राकृतिक नागरिकता वाले लोगों की सिटीजनशिप रद्द करने का निर्देश दिया गया है। प्राकृतिक नागरिकों की भी नागरिकता छीनने की तैयारी कर ली है। ट्रंप सरकार के इस कदम से हजारों प्राकृतिक नागरिकों की नागरिकता जाने का खतरा बढ़ गया है। इसे लेकर अमेरिका के संघीय कानून में प्राकृतिक नागरिकता छीनने का प्रावधान है। दरअसल अगर नागरिकता के लिए आवेदन करते समय या कुछ अन्य स्थितियों में धोखाधड़ी या कोई गड़बड़ी की गई है तो प्राकृतिक नागरिकता छीनी जा सकती है। माना जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन इन्हीं प्रावधानों का आधार बनाकर बड़े पैमाने पर लोगों की नागरिकता छीन सकता है। जिन लोगों से जाने-अनजाने अपने नागरिकता आवेदन में अगर कोई गलती हुई है तो वे लोग भी अब ट्रंप प्रशासन के निशाने पर आ जाएंगे। इसे लेकर लोगों में डर का माहौल है। क्या है प्राकृतिक नागरिकता अमेरिका में प्राकृतिक नागरिकता का प्रावधान है। जो लोग अमेरिका में पैदा नहीं हुए हैं और एक तय कानूनी प्रक्रिया के तहत अमेरिकी नागरिक बने हैं, उन्हें प्राकृतिक नागरिक कहा जाता है। इन नागरिकों को भी अन्य नागरिकों की तरह सभी अधिकार प्राप्त हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में जनगणना ब्यूरो के हवाले से बताया गया है कि देश में करीब 2.6 करोड़ लोग प्राकृतिक नागरिक हैं। पिछले साल ही 8 लाख से अधिक लोगों ने अमेरिका की प्राकृतिक नागरिकता हासिल की है। इनमें अधिकतर लोग भारत, मैक्सिको, फिलीपींस और वियतनाम के निवासी थे। सरकार ने बताया किन लोगों की नागरिकता पर खतरा ट्रंप प्रशासन ने कहा, 'हम उन व्यक्तियों के खिलाफ नागरिकता रद्द करने की कार्यवाही करेंगे, जो नागरिकता प्रक्रिया के दौरान झूठ बोल रहे हैं या खुद को गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। हम अमेरिका की अप्रवासन प्रणाली में ईमानदारी बहाल करने के लिए न्याय विभाग के साथ काम करना जारी रखेंगे।' यूएससीआईसी के पूर्व अधिकारियों ने ट्रंप प्रशासन के नए दिशानिर्देश पर चिंता व्यक्त की है। वरउक्र की पूर्व अधिकारी सारा पियर्स ने कहा, 'नागरिकता रद्द करने के मामलों पर मनमाने लक्ष्य थोपने से नागरिकता रद्द करने का राजनीतिकरण होने का खतरा है। यह लाखों प्राकृतिक अमेरिकी नागरिकों में अनावश्यक डर और अनिश्चितता को बढ़ावा देती है।' न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि गैंग के सदस्य, आर्थिक धोखेबाज, ड्रग तस्करी से जुड़े लोग और हिंसक अपराधियों की नागरिकता रद्द की जा सकती है।

अभी तक किसी साजिश का शक नहीं जुबीन गर्ग की मौत के मामले पर बोली सिंगापुर पुलिस

सिंगापुर। जुबीन गर्ग की मौत के मामले में असम पुलिस ने श्यामकानू महंता, सिद्धार्थ शर्मा, शेखर ज्योति गोस्वामी, अमृतप्रवा महंता पर हत्या का आरोप लगाया है. मैनेजर शर्मा पर आरोप है कि उसने गर्ग को नशे की हालत में तैरने के लिए उकसाया था. असम के मशहूर दिवंगत गायक जुबीन गर्ग की मौत के मामले में सिंगापुर ने बड़ा बयान जारी किया है। सिंगापुर पुलिस ने कहा है कि गायक जुबीन गर्ग की मौत की जांच जारी है, लेकिन अब तक किसी भी तरह की साजिश का संदेह नहीं है। गर्ग की मौत 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय रहस्यमय हालात में हुई थी। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि सिंगापुर पुलिस बल (एसपीएफ) की ओर से सिंगापुर कोरोनर्स अधिनियम 2010 के तहत मामले की जांच अभी भी जारी है। बयान में कहा गया है, 'हमारी अब तक की जांच के आधार पर पुलिस को गर्ग की मौत में किसी भी तरह की साजिश का संदेह नहीं है।' सिंगापुर पुलिस के बयान के मुताबिक जांच पूरी होने पर निष्कर्ष सिंगापुर के राज्य कोरोनर को सौंप दिए जाएंगे, जो एक कोरोनर जांच (सीआई) आयोजित करेंगे। यह जांच जनवरी और फरवरी 2026 के लिए निर्धारित है। एसपीएफ ने बताया कि सीआई एक तथ्य-खोज प्रक्रिया है जिसका नेतृत्व कोरोनर की ओर से मौत की वजह और हालातों का पता लगाने के लिए किया जाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रक्षा नीति बिल पर किए हस्ताक्षर

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा नीति बिल पर हस्ताक्षर किए, जिसमें भारत के साथ गहरा सैन्य सहयोग, क्वाड और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सामरिक प्रतिस्पर्धा पर जोर दिया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 19 दिसंबर को 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा नीति बिल पर हस्ताक्षर किए। इस बिल में भारत के साथ गहरा सैन्य और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया है, खासकर क्वाड के माध्यम से, ताकि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को स्वतंत्र और खुले रूप में सुरक्षित किया जा सके और चीन की बढ़ती चुनौती का सामना किया जा सके। बिल में यह भी कहा गया है कि विदेश सचिव को अमेरिका-भारत रणनीतिक सुरक्षा संवाद के तहत भारत सरकार के साथ परमाणु उत्तरदायित्व नियमों पर एक संयुक्त सलाहकार तंत्र स्थापित करना होगा। इस तंत्र के माध्यम से दोनों देश नियमित रूप से मिलकर 2008 में हस्ताक्षरित शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा उपयोग समझौते के कार्यान्वयन का आकलन करेंगे और भारत में घरेलू परमाणु नियमों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाने के अवसरों पर चर्चा करेंगे। रक्षा विभाग और विदेश विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अमेरिका के रक्षा गठबंधन और साझेदारी को मजबूत करने के लिए प्रयास जारी रखें। इसके तहत भारत के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग बढ़ाने, सैन्य अभ्यासों में भागीदारी, रक्षा व्यापार का विस्तार और मानवीय सहायता तथा आपदा प्रबंधन में सहयोग को प्राथमिकता दी जाएगी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।